राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार, 24 जुन 2022 वर्ष–5,अंक–149 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एकनाथ शिंदे का दावा- हमारे साथ 42 MLA, संजय राउत बोले- गुवाहाटी में मौजूद 20 विधायक हमारी तरफ

महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महा विकास अघाड़ी सरकार में पैदा हुए राजनीतिक संकट के बीच शिवसेना के तीन और बागी विधायक सुबह गुवाहाटी के रैडिसन ब्लू होटल पहुंचे।

मुंबई। शिवसेना के बागी विधायक एकनाथ शिंदे ने दावा किया है कि उनके साथ शिवेसना के 42 विधायक हैं। वहीं शिवसेना नेता संजय राउत ने दावा किया है कि गुवाहाटी में मौजूद 20 विधायक हमारे संपर्क में हैं और वो हमारी तरफ हैं। वहीं गुरुवार को 3 और बागी विधायक गुवाहाटी के रैडिसन ब्लू होटल पहुंचे। इससे पहले बुधवार की रात चार बागी विधायक होटल पहुंचे थे। गौरतलब है कि मुंबई में एकनाथ शिंदे के समर्थन में पोस्टर लगाए गये हैं।

दरअसल महाराष्ट्र में सियासी संकट के बीच उद्धव ठाकरे के इस्तीफे की पेशकश के बाद जहां उनके समर्थकों ने उनके साथ खड़े रहने की बात कही तो वहीं अब शिवसेना के बागी विधायक एकनाथ शिंदे के समर्थन में मुंबई में पोस्टर लगाए गये हैं। पोस्टर में एकनाथ शिंदे और बाल ठाकरे की फोटो है। इसमें लिखा है, साहेब आगे बढ़ो, हम आपके साथ है। उधर उद्धव-पवार की मीटिंग के बाद शिवसेना के तेवर अलग दिख रहे हैं। संजय राउत बोले कि उद्धव ठाकरे ही सीएम रहेंगे और जरूरत पड़ी तो असेंबली के फ्लोर पर ताकत दिखाएंगे। गुरुवार को महाराष्ट्र के सियासी संकट पर केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि डमी कार और डायलिसिस की सरकार बहुत दिन नहीं चलती। डमी कार और डायलिसिस की सरकार चलाकर, जुगाड़, जोड़तोड़ से जनादेश का अपहरण कर अगर कोई समझता है कि यह चलता रहेगा तो ऐसा नहीं है। ऐसी सरकार चलाने वालों को इसका एहसास हुआ है। गौरतलब है कि मुख्तार अब्बास नकवी ने रामपुर लोकसभा उपचुनाव में वोट डालने के दौरान मीडिया से बात करते हुए महाराष्ट्र में जारी राजनीतिक हालात पर शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी पर तंज कसा। महाराष्ट्र के सियासी घटनाक्रम पर एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि भाजपा प्रदेश में कई बार सरकार बनाने की कोशिश कर चुकी है। शिंदे के बागी तेवरों पर प्रतिक्रिया देते हुए पवार ने कहा था कि ये शिवसेना का अंदरूनी मसला है। वहीं, सरकार पर संकट के सवाल पर उन्होंने कहा था कि इसका कोई न कोई हल निकाला जाएगा।

दरअसल महाराष्ट्र में सियासी संकट के बीच उद्धव ठाकरे के इस्तीफे की पेशकश के बाद जहां उनके समर्थकों ने उनके साथ खड़े रहने की बात कही तो वहीं अब शिवसेना के बागी विधायक एकनाथ शिंदे के समर्थन में मुंबई में पोस्टर लगाए गये हैं। पोस्टर में एकनाथ शिंदे और बाल ठाकरे की फोटो है।

कोरोनावायरस संक्रमण के आंकड़ों में इजाफा जारी, 24 घंटों में मिले 13,313 मरीज, 38 की मौत

नई दिल्ली। भारत में कोरोनावायरस संक्रमण का ग्राफ फिर ऊपर जा रहा है। 24 घंटों में देश में संक्रमण के 13 हजार 313 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान 38 मरीजों की मौत हुई। नए आंकड़ों को मिलाकर देश में कोविड-19 संक्रमितों की संख्या 4 करोड़ 33 लाख 44 हजार 958 पर पहुंच गई है। जबकि, 5 लाख 24 हजार 941 मरीज जान गंवा चुके हैं। फिलहाल, देश में 83 हजार 990 मरीजों का इलाज जारी है। मई के अंत से ही भारत में कोविड संक्रमितों की संख्या में बढ़त का दौर जारी है। इससे पहले 18 जून को 13 हजार से ज्यादा नए मामले सामने आए थे। वहीं, फरवरी के बाद पहली बार 16 जून को 12 हजार से ज्यादा केस सामने आए थे।

महाराष्ट्र में बुधवार को कोविड-19 के 3,260 नये मामले सामने आये जबकि तीन और मरीजों की मौत हो गई। इन नये मामलों में मुंबई में सामने आये 1,648 मामले शामिल हैं। इसके साथ ही राज्य में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 79,45,022 और मृतक संख्या 1,47,892 हो गई। यह जानकारी राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने दी। राज्य में एक दिन पहले सामने आये कोविड-19 के 3,659 मामलों की तुलना में बुधवार को 399 कम मामले सामने आये।

दिल्ली में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 928 नये मामले सामने आये हैं और संक्रमण दर 7.08 प्रतिशत दर्ज की गई है। वहीं संक्रमण से तीन और मरीजों की मौत हो गई है। यह जानकारी दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग द्वारा बुधवार को साझा किए गए आंकडे से मिली। विभाग ने कहा कि संक्रमण का पता लगाने के लिए मंगलवार को कुल 13,099 जांच की गई थी। इन नये मामलों के साथ, दिल्ली में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 19,24,532 हो गई है, जबकि मृतक संख्या 26,239 हो गई है।

हमसे बड़ा क्रिमिनल कौन?

रामपुर में वोटिंग से पहले पुलिस ऐक्शन को लेकर आजम खान का तंज; बोले-रहना है तो सहना है

रामपुर। रामपुर में लोकसभा उपचुनाव के लिए मतदान चल रहा है। इस बीच आजम खान ने बुधवार की रात कई सपाइयों को हिरासत में लिए जाने की कार्रवाई को लेकर सरकार पर तंज कसा है। आजम खान ने एएनआई से बातचीत में कहा- हमसे बड़ा अपराधी कौन है? तो हमारे साथ जो चाहे करे। मुर्गी, बकरी, भैंस, पुस्तक और फर्नीचर के आरोपी है तो हमारे शहर को भी वैसा मना गया है, तो जो चाहे करे..हमें तो सहना है रहना है। उन्होंने कहा कि हम तो सारी रात जागे हैं और हमारे प्रत्याशी संसद के सभी थाने गए हैं। सबसे ज्यादा अभद्र व्यवहार थाने गंज के इंस्पेक्टर ने किया और लोगों के साथ मार-पीट भी की। अगर वोट प्रतिशत गिराई जाती है तो इसका इल्जाम पूरा प्रशासन पर आएगा।

रामपुर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

रामपुर उपचुनाव में वोटिंग के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। सिविल पुलिस के अलावा मतदान केंद्रों के बाहर और सीआरपीएफ, पैरा मिलिट्री फोर्स की तैनाती की गई है।

अखिलेश यादव ने की मतदान की अपील

इस बीच सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लोगों से वोटिंग करने की अपील की है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा- हर नारी, किसान, नौजवान आगे बढ़कर करें मतदान।

फोर्टिस हेल्थकेयर ने डिफेंस कॉलोनी में शुरू किया कैंसर इंस्टीट्यूट

नई दिल्ली। भारत की बड़ी इंटीग्रेटेड और भरोसेमंद मल्टी-स्पेशलिटी हॉस्पिटल श्रृंखला में से एक फोर्टिस हेल्थकेयर लिमिटेड ने आज नई दिल्ली की डिफेंस कॉलोनी में अत्याधुनिक फोर्टिस कैंसर इंस्टीट्यूट शुरू करने की घोषणा की है। यह कैंसर डे केयर सेंटर दिल्ली एनसीआर में कैंसर के इलाज की व्यापक सुविधा देने के फोर्टिस के प्रोग्राम का हिस्सा है। यहां बेहद अनुभवी कैंसर विशेषज्ञ मौजूद होंगे, जो सकारात्मक और सहज वातावरण में सहानुभूति के साथ मरीजों को पर्सनलाइज्ड कैंसर ट्रीटमेंट देंगे। इस सेंटर में 12 बेड की कीमोथेरेपी फैसिलिटी मौजूद है और इसका उद्देश्य मरीज़ों के लिए मन, शरीर और पोषण पर आधारित प्रोग्राम तैयार करना है। सेंटर का उद्घाटन जानी-मानी फिल्म कलाकार शर्मिला टैगोर ने किया। इस मौके पर फोर्टिस हेल्थकेयर के एमडी और सीईओ, डॉ. आशुतोष रघुवंशी

के साथ फोर्टिस हेल्थकेयर के वरिष्ठ चिकित्सक और फोर्टिस का शीर्ष नेतृत्व मौजूद था। फोर्टिस हेल्थकेयर के एमडी और सीईओ, डॉ आशुतोष रघुवंशी ने कहा, ÷कैंसर केयर और रीहैबिलिटेशन के लिए मरीज़ की देखभाल पर केंद्रित मल्टी-डिसप्लनेरी ट्रीटमेंट की ज़रूरत है। फोर्टिस कैंसर इंस्टीट्यूट में सटीक दवा, टारगेटेड कीमोथेरपी, मरीज़ के हिसाब से न्यूट्रिशन देने के साथ ही मन और शरीर को ठीक करने के लिए योग का इस्तेमाल किया जाएगा और यह कैंसर के मरीज़ों व बीमारी से जीवित बचे लोगों के समग्र उपचार और देखभाल में आ रही कमी को दूर करेगा। शर्मिला टैगोर ने कहा, मुझे यह जानकर बेहद खुशी हुई कि फोर्टिस ने इस सेंटर को बनाते समय मरीज़ों और उनके संबंधियों की स्थिति को ध्यान में रखा है। कैंसर जैसी बीमारी से लड़ना मुश्किल है और यह सेंटर मरीज़ों को सुकून भरा माहौल देता है जहां वे आराम से अपना इलाज करवा सकते हैं।

टैंकर की टक्कर से साइकिल सवार की मौत–फोर्टिस हेल्थकेयर कैंसर केयर के पूरे स्पेक्ट्रम पर ध्यान केंद्रित करते हुए मजबूत कैंसर केयर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने में निवेश कर रहा है। डिफेंस कॉलोनी में नए सेंटर की शुरुआत के साथ ग्रुप का मानना है कि मरीज़-आधारित सेवा देने वाली टीम समग्र दृष्टिकोण से इलाज करेगी और अब कैंसर का इलाज इसी नई सोच के साथ होगा।

खेती की लागत में कटौती के लिए फसल सुरक्षा पर देना होगा जोर

नई दिल्ली। खेती की लागत घटाने के लिए बीज और फर्टिलाइजर की तरह पेस्टीसाइड पर भी जीएसटी की दर में कटौती करने की जरूरत है। कृषि की उत्पादकता बढ़ाने के लिए फसल सुरक्षा अहम पहलू है, जो लगातार नजरअंदाज हो रहा है। जलवायु परिवर्तन कृषि क्षेत्र के लिए गंभीर चुनौती है, जिससे फसलों में बीमारियों का प्रकोप बढ़ेगा और खाद्यान्न की पैदावार में कमी आएगी। ऐसे में फसल सुरक्षा सबसे अहम हो जाएगा। इन्हीं मुद्दों को लेकर फिक्की ने एग्रो केमिकल इंडस्ट्री के लिए पॉलिसी लैंडस्केप विषय पर गुरुवार को एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया है। एग्रो केमिकल पर जीएसटी की दर 18 फीसद है। इसके मुकाबले फर्टिलाइजर व बीजों पर यह पांच फीसद है। खेती में फसल सुरक्षा की दृष्टि से यह सबसे अहम इनपुट है। लेकिन यह क्षेत्र लगातार नजरअंदाज हो रहा है, जिससे कभी भी बड़ी मुश्किलें पैदा हो सकती हैं। इससे जुड़े उद्योग संगठन ने एग्रो केमिकल पर भी जीएसटी की दर घटाकर पांच फीसद करने का अनुरोध किया है। इंडस्ट्री ने यह मांग आगामी सप्ताह होने वाली जीएसटी काउंसिल की बैठक से ठीक पहले उठाई है। किसानों के हितों को ध्यान में रखकर सरकार की ओर से लगातार खेती के अहम तत्वों को महंगा होने से बचाया जा रहा है। फर्टिलाइजर की कीमतें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भले ही सातवें आसमान पर पहुंच गई हों लेकिन घरेलू स्तर पर कीमतों पर सरकार का नियंत्रण है। किसानों के हित को देखते हुए इस पर ढाई लाख करोड़ रुपए तक की सब्सिडी का प्रावधान किया गया है। सम्मेलन से पूर्व एग्रो केमिकल इंडस्ट्री से जुड़े धानुका एग्रो के चेयरमैन आरजी अग्रवाल का कहना है कि दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले भारत में प्रति हेक्टेयर फर्टिलाइजर और पेस्टीसाइड का उपयोग बहुत कम होता है। लेकिन ऐसी इमेज बना दी गई है कि भारत में इसका अंधाधुंध उपयोग किया जा रहा है

वसुंधरा राजे को सीएम चेहरा घोषित की करने की मांग, समर्थकों ने लगाए नारे 'केसरिया में हरा-हरा, राजस्थान में वसुंधरा'

उदयपुर। राजस्थान में विधानसभा चुनाव 2023 से पहले भाजपा में सीएम फेस को लेकर एक बार फिर से खींचतान बढ़ गई है। चुनाव से ठीक पहले वसुंधरा राजे के जिलों के दौरे होने से विरोधी खेमा सतर्क हो गया है। पूर्व सीएम हमेश की तरह चुनाव से एक-सवा साल पहले प्रदेश के दौरे पर निकलती रहीं है। लेकिन इस बार विरोधी खेमा ज्यादा सतर्क है। वसुंधरा राजे के उदयपुर दौरे के दौरान समर्थकों ने केसरिया में हरा-हरा, राजस्थान में वसुंधरा के नारे लगाए। जिस समय यह नारेबाजी हो रही थी उस समय नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया भी वसुंधरा राजे के साथ मौजूद थे।

इस दौरान राजे के साथ कटारिया के धुर विरोधी जनता सेना के प्रमुख रणधीर सिंह भींडर भी मौजूद थे। पूर्व मंत्री युनूस

खान, श्रीचंद कृपलानी, पूर्व भाजपा अध्यक्ष अशोक परनामी, मावली विधायक धर्मनारायण जोशी, उदयपुर के मेयर जीएस टांक, डिप्टी मेयर पारस सिंघवी और भाजपा शहर जिलाध्यक्ष रवींद्र श्रीमाली भी मौजूद रहे। बुधवार को वसुंधरा राजे का डबोक एयरपोर्ट पर स्वागत किया।

बीजेपी की मीटिंग में नाराज हो गई थीं वसुंधरा राजे

हाल ही में कोटा में हुई प्रदेश भाजपा की कार्यसमिति की बैठक में वसुंधरा समर्थकों के साथ धक्का-मुक्की से सियासी पारा गर्मा गया था। वसुंधरा समर्थक पूर्व विधायक भवानी सिंह राजावत को मीटिंग में शामिल नहीं होने दिया। नाराज वसुंधरा समर्थकों ने जमकर नारेबाजी की थी। मामला हाथापाई तक पहुंच गया था। वसुंधरा राजे इस घटनाक्रम से नाराज हो गई और मीटिंग को संबोधित किए बिना ही रवाना हो गई। मामला दिल्ली तक पहुंच गया। समर्थक लगातार वसुंधरा राजे को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने की मांग कर रहे हैं। वसुंधरा राजे ने अपने जन्मदिन पर शक्ति प्रदर्शन कर अपने इरादे में साफ कर दिए है।

वसुंधरा राजे इन दिनों प्रदेश के विभिन्न जिलों का दौरा कर भाजपा कार्यकर्ताओं से संपर्क साध रहीं है। जानकारों का कहना है कि पूर्व सीएम वसुंधरा राजे की कार्यशैली अनूठी है। चुनाव से साल-सवा साल पहले वसुंधरा राजे एक्टिव मोड पर आज जाती है। पिछले दो चुनावों से वसुंधरा राजे इस तरह से ही करतीं आ रही है। वसुंधरा राजे को सफलता भी मिली और राज्य में सत्ता परिवर्तन भी हुआ। वसुंधरा राजे के एक्टिव होने से विरोधी धड़ा सतर्क हो गया है।

मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने की मांग

भाजपा आलाकमान ने स्पष्ट कर दिया है कि राजस्थान विधानसभा चुनाव पीएम मोदी और चुनाव चिन्ह कमल के निशान पर लड़ा जाएगा। राजस्थान भाजपा प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने साफ कर दिया कि पीएम मोदी के चेहरे पर ही विधानसभा चुनाव लड़ा जाएगा। वसुंधरा समर्थक इसे कटाक्ष के तौर पर मान रहे हैं।

मुंबई में वर्षा की चेतावनी, इन राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट; जानें- दिल्ली-यूपी सहित उत्तर भारत में कैसा रहेगा मौसम

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में मानसून ने दस्तक दे दी है। अब उत्तर भारत की ओर आगे बढ़ रहा है हालांकि, दक्षिण के राज्यों में अब भी भारी बारिश जारी है। कर्नाटक, केरल, गोवा आदि में मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक भारी बारिश की संभावना जताई है। इसके अलावा, बिहार-झारखंड के लिए भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक बिहार पिछले कुछ दिनों से बारिश और आंधी-तूफान से प्रभावित रहा है। मौसम विभाग ने कहा है कि मुंबई अगले कुछ दिनों तक बारिश होती रहेगी। मौसम विभाग ने रायगढ़ और पुणे सहित महाराष्ट्र के पांच जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने गुरुवार को अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना जताई है। आईएमडी ने दो दिनों के लिए मुंबई के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है। यहां भी भारी बारिश होने की संभावनी जताई गई है।

इन राज्यों में आगामी 5 दिन भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने ट्वीट करके आगामी दिनों के मौसम की जानकारी दी है। मौसम विभाग के मुताबिक कोंकण, गोवा, तटीय कर्नाटक और केरल व माहे में अगले पांच दिनों तक भारी बारिश होगी। मध्य महाराष्ट्र में 24 से 26 जून, आंतरिक कर्नाटक में 24 से 25 जून, गुजरात में 25 और 26 जून को

बारिश होगी। उधर, बंगाल की खाड़ी से पूर्वोत्तर और उससे सटे पूर्वी भारत तक दक्षिण, दक्षिण-पश्चिमी हवाओं के प्रभाव की वजह से 25 और 26 जून को बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। इसके अलावा 23 और 24 तारीख को विदर्भ में बारिश होगी।

बिहार, झारखंड, ओडिसा में तीन दिन होगी झमाझम बारिश

बिहार-झारखंड के लिए आया ये अलर्ट उत्तर भारत के राज्यों में भी मानसून धीरे-धीरे दस्तक दे रहा है। प्री मानसून की वजह से कई राज्यों में बारिश का सिलसिला पिछले कुछ दिनों से लगातार जारी भी है। मौसम विभाग ने बताया है कि 23 से 26 जून के दौरान बिहार में, 24 और 25 जून को झारखंड में और 22 से 26 जून के दौरान ओडिशा और छत्तीसगढ़ में बारिश होने की संभावना है। बिहार की बात करें तो मौसम विभाग के अनुसार, राजधानी पटना, भागलपुर, औरंगाबाद, मोतिहारी समेत ज्यादातर जगह पर आने वाले दिनों में झमाझम बारिश की संभावना है।

दिल्ली-एनसीआर में कब दस्तक देगा मानसून?

स्काईमेट वेदर के मुताबिक इस समय प्री-मानसून गतिविधियां कमजोर हैं। इस वजह से आने वाले तीन दिनों तक बारिश की संभावना नहीं है। हालांकि, आगामी दिनों में हवा की दिशा पश्चिम से बदलकर पूर्वी हो जाएगी, जिससे दिल्ली-एनसीआर में 28 जून की रात से बारिश के आसार बने हुए हैं। ऐसे में संभावना है कि 28 से 30 जून के बीच मानसून दस्तक दे सकता है।

सुविचार

जिस तरह जौहरी ही असली हीरे की पहचान कर सकता है, उसी तरह गुणी ही गुणवान् की पहचान कर सकता है। - कबीर

संपादकीय

शिवसेना-संकट के सबक

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

यह मानकर चला जा सकता है कि महाराष्ट्र की गठबंधन-सरकार का सूर्य अस्त हो चुका है। यदि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे अपने बाकी नेता एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री पद देने को भी तैयार हों तो भी यह गठबंधन की सरकार चलनेवाली नहीं है, क्योंकि शिंदे उस नीति के बिल्कुल खिलाफ हैं, जो कांग्रेस और नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के प्रति ठाकरे की रही है। शिवसेना के बागी विधायकों की सबसे बड़ी शिकायत यही है कि ठाकरे ने अपनी कुर्सी के खातिर कांग्रेस और एनसीपी को न सिर्फ महत्वपूर्ण मंत्रालय सौंप दिए हैं बल्कि शिवसेना के विधायकों की वे ज़रा भी परवाह नहीं करते हैं। इसके अलावा ठाकरे के खिलाफ लगभग सभी शिवसेना के विधायकों की गंभीर शिकायत यह है कि मुख्यमंत्री अपने विधायकों को भी मिलने का समय नहीं देते हैं। विधायक अपने निर्वाचकों की शिकायतें दूर करने के लिए आखिर किसके पास जाएं? शिवसेना में बरसों से निष्ठापूर्वक सक्रिय नेताओं को इस बात पर भी नाराजी है कि शिवसेना ने हिंदुत्ववादी भाजपा का साथ छोड़ दिया और जिस कांग्रेस के खिलाफ बालासाहब ठाकरे ने शिवसेना बनाई थी, उद्धव ठाकरे उसी की गोद में बैठ गए। उद्धव ने किसी वैचारिक मतभेद के कारण नहीं, बल्कि व्यक्तिगत राग-द्वेष और आरोपों-प्रत्यारोपों के कारण भाजपा से वर्षों पुराना संबंध तोड़ लिया। शिवसेना को वे एक राजनीतिक पार्टी की तरह नहीं, बल्कि किसी सेना की तरह चलाते हैं। हर शिव सैनिक अपने कमांडर की हां में हां मिलाने के लिए मजबूर है। सेना से भी ज्यादा यह पार्टी एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बन गई है। जैसे बालासाहब की कुर्सी पर उद्धव जा जमे हैं, वैसे ही वे अपने बेटे आदित्य को अपनी कुर्सी पर जमाने के लिए उद्यत हैं। शिवसेना के अन्य नेताओं के मन में पल रही ये ही चिंगारियां आज ज्वाला के रूप में प्रकट हो रही हैं। शिंदे के पास 2/3 बहुमत की बात सुनते ही उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री निवास छोड़ दिया है। वे ऐसे बयान दे रहे हैं, जैसे उन्हें मुख्यमंत्री पद की कोई परवाह ही नहीं है। वे कह रहे हैं कि सरकार रहे या जाए, शिवसेना के लाखों कार्यकर्त्ता उनके साथ हैं। लेकिन इस सरकार के गिरने के बाद शिवसेना के ये कार्यकर्ता पता नहीं किधर जाएंगे? वे शिंदे को अपना नेता मानेंगे या उद्धव ठाकरे को? जाहिर है कि शिंदे अब कांग्रेस और शरद पवार से हाथ नहीं मिलाएंगे। उनकी गठबंधन सरकार अब भाजपा के साथ ही बनेगी। भाजपा उन्हें खुशी-खुशी उप-मुख्यमंत्री का पद देना चाहेगी। उद्धव ठाकरे को सबक सिखाने के लिए शिंदे को भाजपा मुख्यमंत्री पद भी दे सकती है। यह घटना-क्रम देश के सभी नेताओं के लिए बड़ा सबक सिद्ध हो सकता है। एक तो राजनीतिक पार्टियों को प्राइवेट लिमिटेड कंपनी न बनने दिया जाए और दूसरा पदारुढ़ नेता लोग अहंकारग्रस्त न हों।

आज के कार्टुन

विवेक शक्ति

जग्गी वासुदेव

कोई भी नर्क को समाप्त कर केवल स्वर्ग को नहीं रख सकता, मगर आप हर समय आनंदमय रह सकते हैं, इसलिये नहीं कि नर्क बनाने की संभावना आप के मन में घूम नहीं रही है, बल्कि अपनी विवेक शक्ति को ज्यादा मजबूत बनाकर। आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि नर्क का फैलाव आप के अंदर कभी न हो। इसके प्रति सजग रह कर आप ऐसा कर सकते हैं वरना नर्क के फैलाव की संभावना तो हर समय है ही। ये सजग रहने की योग्यता भी एक सीमा तक ही होती है। लेकिन अगर आप सारी निर्माण सामग्री को हटा दें, जो ऐसा या वैसा करने में सक्षम है, तो फिर ये बिल्कुल वैसा हो जाएगा कि आप किसी अंधेरे कमरे में बैठे हों, जहां न नीले प्रकाश की संभावना है, न ही सफेद की। लेकिन अब आप एक ऐसी दिशा में मुड़ गए हैं जहां प्रकाश का कोई महत्व नहीं है। प्रकाश सिर्फ उसके लिए है, जो आंख खोल कर कहीं जाना चाहता है। जिसने आंखें बंद कर ली है और किसी दूसरी ही जगह है, उसके लिए प्रकाश से कोई फर्क नहीं पड़ता। उसके लिए तो प्रकाश अड़चन है। तो असत्य से सत्य की ओर जाने का मतलब किसी भौगोलिक दूरी को पार करना नहीं है। यह तो एक अंडे के बाहरी खोल की तरह है- अभी आप खोल के बाहर हैं। अगर आप अंदर की ओर मुड़ना चाहते हैं तो आप अंडे के साथ टक, टक, टक करने लगते हैं। आप को लगता है कि जब ये टूट जाएगा तो आप अंदर चले जाएंगे, पर नहीं, चूजा बाहर आएगा पूरी बात यही है। आप यहां बैठ कर अंदर जाना चाहते हैं। जब आप इसे तोड़ लेते हैं तो कोई अंदर नहीं जाता, एक पूरी तरह से नई संभावना बाहर आती है। इसीलिए, योग में जो प्रतीक चिह्न है वो सहस्त्रार है-एक हजार पंखुड़ियों वाला पुष्प, जो बाहर आ रहा है, खिल रहा है। आप जब खोल को तोड़ते हैं तो आप ने जिसकी संभावना की कभी कल्पना भी नहीं की थी, वह चीज बाहर आती है। तो अगर आप इस आवरण को तोड़ना चाहते हैं तो आप कभी भी ये काम खुद नहीं कर पाएंगे क्योंकि आप खुद ही आवरण हैं। आप खुद को कैसे तोड़ पाएंगे? यह कर सकने के लिए आप के पास आवश्यक साहस नहीं है। मन भले कहे,'चलो, इसे तोड़ते हैं, एक चूजा बाहर आएगा'। पर नहीं, आप में ये हिम्मत नहीं होगी कि आप इसे खुद तोड़ सकें।

24 जून : वीरांगना रानी दुर्गावती का बलिदान दिवस

(लेखक-विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन / वह गोंड रानी, जिसने आखिरी सांस तक मुग़ल सेना से युद्ध किया)

पंद्रहवीं शताब्दी में शहंशाह अकबर के ध्वज तले मुग़ल साम्राज्य अपनी जड़ें पुरे भारत में फैला रहा था। बहुत से हिन्दू राजायों ने उनके सामने घुटने टेक दिए तो बहुतों ने अपने राज्यों को बचाने के लिए डटकर मुकाबला किया।

राजपुताना से होते हुए अकबर की नजर मध्यभारत तक भी जा पहुंची। लेकिन मध्यभारत को जीतना मुगलों के लिए बिल्कुल भी आसान नहीं रहा और खासकर कि गोंडवाना! इसलिए नहीं कि कोई बहुत बड़ा राज्य या राजा मुग़ल सल्तनत का सामना कर रहा था, बल्कि इसलिए क्योंकि एक हिन्दू रानी अपने पुरे स्वाभिमान के साथ अपने राज्य को बचाने के लिए अडिग थी। वह हिन्दू रानी, जिसकी समाधि पर आज भी गोंड जाति के लोग श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और जिसके नाम पर मध्य-प्रदेश के एक विश्विद्यालय का नाम भी है- रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय।

रानी दुर्गावती का जन्म 5 अक्टूबर, 1524 को उत्तर प्रदेश के बाँदा जिले में कालिंजर के राजा कीर्तिसिंह चंदेल के यहाँ हुआ था। वे अपने पिता की इकलौती संतान थीं। दुर्गाष्टमी के दिन जन्म होने के कारण उनका नाम दुर्गावती रखा गया। नाम के अनुरूप ही तेज, साहस, शौर्य और सुन्दरता के कारण इनकी प्रसिद्धि सब ओर फैल गयी।

दुर्गावती चंदेल वंश की थीं और कहा जाता है कि इनके वंशजों ने ही खजुराहो मंदिरों का निर्माण करवाया था और महमूद गज़नी के आगमन को भारत में रोका था। लेकिन 16वीं शताब्दी आते-आते चंदेल वंश की ताकत बिखरने लगी थी।

दुर्गावती बचपन से ही अस्त्र-शस्त्र विद्या में रूचि रखती थीं। उन्होंने अपने पिता के यहाँ घुड़सवारी, तीरंदाजी, तलवारबाजी जैसे युद्धकलायों में महारत हासिल की। अकबरनामा में अबुल फज़ल ने उनके बारे में लिखा है, 卐वह बन्दुक और तीर से निशाना लगाने में बहुत उम्दा थीं। और लगातार शिकार पर जाया करती थीं।卐 1542 में, 18 साल की उम्र में दुर्गावती की शादी गोंड राजवंश के राजा संग्राम शाह के सबसे बड़े बेटे दलपत शाह के साथ हुई। मध्य प्रदेश के गोंडवाना क्षेत्र में रहने वाले गोंड वंशज 4 राज्यों पर राज करते थे- गढ़-मंडला, देवगढ़, चंदा और खेरला। दुर्गावती के पति दलपत शाह का अधिकार गढ़-मंडला पर था।

दुर्गावती का दलपत शाह के साथ विवाह बेशक एक राजनैतिक विकल्प था। क्योंकि यह शायद पहली बार था जब एक राजपूत राजकुमारी की शादी गोंड वंश में हुई थी। गोंड लोगों की मदद से चंदेल वंश उस समय शेर शाह सूरी से अपने राज्य की रक्षा करने में सक्षम रहा।

1545 में रानी दुर्गावती ने एक बेटे को जन्म दिया, जिसका नाम वीर नारायण रखा गया। लेकिन 1550 में दलपत शाह का निधन हो गया। दलपत शाह की मृत्यु पर दुर्गावती का बेटा नारायण सिर्फ 5 साल का था। ऐसे में सवाल था कि राज्य का क्या होगा?

लेकिन यही वह समय था जब दुर्गावती न केवल एक रानी बल्कि एक बेहतरीन शासक के रूप में उभरीं। उन्होंने अपने बेटे को सिंहासन पर बिठाया और खुद गोंडवाना की बागडोर अपने हाथ में ले ली। उन्होंने अपने शासन के दौरान अनेक मठ, कुएं, बावड़ी तथा धर्मशालाएं बनवाईं। वर्तमान जबलपुर उनके राज्य का केन्द्र था। उन्होंने अपनी दासी के नाम पर चेरीताल, अपने नाम पर रानीताल तथा अपने विश्वस्त दीवान आधारसिंह के नाम पर आधारताल बनवाया।

इतना ही नहीं, रानी दुर्गावती ने अपने राज दरबार में मुस्लिम लोगों को भी उम्दा पदों पर रखा। उन्होंने अपनी राजधानी को चौरागढ़ से सिंगौरगढ़ स्थानांतरित किया। क्योंकि यह जगह राजनैतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण थी। उन्होंने अपने पूर्वजों के जैसे ही राज्य की सीमायों को बढ़ाया।

1556 में मालवा के सुल्तान बाज़ बहादुर ने गोंडवाना पर हमला बोल दिया। लेकिन रानी दुर्गावती के साहस के सामने वह बुरी तरह से पराजित हुआ। पर यह शांति कुछ ही समय की थी। दरअसल, 1562 में अकबर ने मालवा को मुग़ल साम्राज्य में मिला लिया था। इसके अलावा रेवा पर असफ खान का राज हो गया। अब मालवा और रेवा, दोनों की ही सीमायें गोंडवाना को छूती थीं तो ऐसे में अनुमानित था कि मुग़ल साम्राज्य गोंडवाना को भी अपने में विलय करने की कोशिश करेगा।

1564 में असफ खान ने गोंडवाना पर हमला बोल दिया। इस युद्ध में रानी दुर्गावती ने खुद सेना का मोर्चा सम्भाला। हालांकि, उनकी सेना छोटी थी, लेकिन दुर्गावती की युद्ध शैली ने मुग़लों को भी चौंका दिया। उन्होंने अपनी सेना की कुछ टुकड़ियों को जंगलों में छिपा दिया और बाकी को अपने साथ लेकर चल पड़ीं।

जब असफ खान ने हमला किया और उसे लगा कि रानी की सेना हार गयी है तब ही छिपी हुई सेना ने तीर बरसाना शुरू कर दिया और उसे पीछे हटना पड़ा।

कहा जाता है, इस युद्ध के बाद भी तीन बार रानी दुर्गावती और उनके बेटे वीर नारायण ने मुग़ल सेना का सामना किया और उन्हें हराया। लेकिन जब वीर नारायण बुरी तरह से घायल हो तो रानी ने उसे सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया और स्वयं युद्ध को सम्भाला।

रानी दुर्गावती के पास केवल 300 सैनिक बचे थे। रानी को भी सीने और आँख में तीर लगे। जिसके बाद उनके सैनिकों ने उन्हें युद्ध छोडकर जाने के लिए कहा। लेकिन इस योद्धा रानी ने ऐसा करने से मना कर दिया। वह अपनी आखिरी सांस तक मुग़लों से लडती रहीं।

जब रानी दुर्गावती को आभास हुआ कि उनका जीतना असम्भव है तो उन्होंने अपने विश्वासपात्र मंत्री आधार सिंह से आग्रह किया कि वे उसकी जान ले लें ताकि उन्हें दुश्मन छु भी न पाए। लेकिन आधार ऐसा नहीं कर पाए तो उन्होंने खुद ही अपनी कटार अपने सीने में उतार ली।

रानी दुर्गावती की समाधि

24 जून 1564 को रानी ने अंतिम सांस ली। उनकी मृत्यु के बाद उनके बेटे ने युद्ध जारी रखा। लेकिन शीघ्र ही वह भी वीरगति को प्राप्त हुआ। जिसके बाद गढ़-मंडला का विलय मुग़ल साम्राज्य में हो गया।चंद लोग ही यहाँ की रानी दुर्गावती के इस जौहर से परिचित होंगें। जबलपुर के पास जहां यह ऐतिहासिक युद्ध हुआ था, उस स्थान का नाम बरेला है, जो मंडला रोड पर स्थित है, वही रानी की समाधि बनी है, जहां गोंड जनजाति के लोग जाकर अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं। जबलपुर में स्थित रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय भी इन्हीं रानी के नाम पर बनी हुई है।

इसके अलावा भारत सरकार ने साल 1988 में रानी दुर्गावती के सम्मान में एक पोस्टल स्टैम्प भी जारी की थी।

राज्य के विकास को लील जाती है बाढ़

असम का संकट/ पंकज चतुर्वेदी

बीस दिन में दूसरी बार असम बाढ़ से बेहाल हो गया। इस समय राज्य के 32 जिलों के 5424 गांव पूरी तरह पानी में डूबे हैं और कोई 47.72 लाख लोग इससे सीधे प्रभावित हुए हैं। मौत का आंकड़ा 80 को पार कर गया है। अभी तक एक लाख हेक्टेयर खेती की जमीन के नष्ट होने की बात सरकार मानती है। इस बार सबसे ज्यादा नुकसान पहाड़ी जिले डिमा हासो को हुआ जहां बहुत भारी सरकारी व निजी नुकसान का आकलन है। यहां रेल पटरियां बह गईं व पहाड़ गिरने से सड़कों का नामोनिशान मिट गया। अगस्त तक राज्य में यहां-वहां पानी ऐसे ही विकास के नाम पर रची गई संरचनाओं को उजाड़ता रहेगा। हर साल राज्य के विकास में जो धन व्यय होता है, उससे ज्यादा नुकसान दो महीने में ब्रह्मपुत्र और उसकी सखी-सहेलियों का कोप कर जाता है। असम पूरी तरह से नदी घाटी पर ही बसा हुआ है। इसके कुल क्षेत्रफल 78 हजार 438 वर्ग किमी में से 56 हजार 194 वर्ग किमी ब्रह्मपुत्र नदी की घाटी में है। और बकाया 22 हजार 244 वर्ग किमी का हिस्सा बराक नदी की घाटी में है। इतना ही नहीं, राष्ट्रीय बाढ़ आयोग के मुताबिक, असम का कुल 31 हजार 500 वर्ग किमी का हिस्सा बाढ़ प्रभावित है। यानी, असम के क्षेत्रफल का करीब 40 फीसदी हिस्सा बाढ़ प्रभावित है। जबकि, देशभर का 10.2 प्रतिशत हिस्सा बाढ़ प्रभावित है। अनुमान है कि इसमें सालाना कोई 200 करोड़ का नुकसान होता है जिसमें मकान, सड़क, मवेशी, खेत, पुल, स्कूल, बिजली, संचार आदि शामिल हैं। राज्य में इतनी मूलभूत सुविधाएं खड़ा करने में दस साल लगते हैं, जबकि हर साल औसतन इतना नुकसान हो ही जाता है। यानी असम हर साल विकास की राह पर 19 साल पिछड़ता जाता है। असम में प्राकृतिक संसाधन, मानव संसाधन और बेहतरीन भौगोलिक परिस्थितियां होने के बावजूद यहां का समुचित विकास न होने का कारण हर साल पांच महीने ब्रह्मपुत्र का रौद्र रूप होता है जो पलक झपकते ही सरकार व समाज की सालभर की मेहनत को चाट जाता है। वैसे तो यह नदी सदियों से बह रही है। लेकिन पिछले कुछ सालों से जिस तरह से ब्रह्मपुत्र व उसकी सहायक नदियों में बाढ़ आ रही है, वह हिमालय के ग्लेशियर क्षेत्र में मानवजन्य छेड़छाड़ का ही परिणाम है। केंद्र हो या राज्य, सरकारों का ध्यान बाढ़ के बाद राहत कार्यों व मुआवजे पर रहता है, यह दुखद ही है कि आजादी के 72 साल बाद भी हम वहां बाढ़ नियंत्रण की कोई मुकम्मल योजना नहीं दे पाए हैं। यदि इस अवधि में राज्य में बाढ़ से हुए नुकसान व बांटी गई राहत राशि को जोड़ें तो पाएंगे कि इतने धन में एक नया सुरक्षित असम खड़ा किया जा सकता था। पिछले कुछ सालों से ब्रह्मपुत्र का प्रवाह दिनोंदिन रौद्र होने का मुख्य कारण इसके पहाड़ी मार्ग पर अंधाधुंध जंगल कटाई माना जा रहा है। उस क्षेत्र में बारिश भी जम कर होती है। बारिश की मोटी-मोटी बूंदें पहले पेड़ों पर गिर कर जमीन से मिलती थीं, लेकिन जब पेड़ कम हुए तो ये बूंदें सीधी ही जमीन से टकराने लगीं। इससे जमीन की ऊपरी परत उधड़ कर पानी के साथ बह रही है। फलस्वरूप नदी के बहाव में अधिक मिट्टी जा रही है। इससे नदी उथली हो गई है और थोड़ा पानी आने पर ही इसकी जल धारा बिखर कर बस्तियों की राह पकड़ लेती है। असम में हर साल तबाही मचाने वाली ब्रह्मपुत्र और बराक नदियां, उनकी कोई 48 सहायक नदियां और उनसे जुड़ी असंख्य सरिताओं पर सिंचाई व बिजली उत्पादन परियोजनाओं के अलावा इनके जल प्रवाह को आबादी में घुसने से रोकने की योजनाएं बनाने की मांग लंबे समय से उठती रही है। एक बात और यह कि ब्रह्मपुत्र नदी के प्रवाह का अनुमान लगाना भी बेहद कठिन है। इसकी धारा की दिशा कहीं भी, कभी भी बदल जाती है। परिणामस्वरूप जमीनों का कटाव, उपजाऊ जमीन का नुकसान भी होता रहता है। यह क्षेत्र भूकंपग्रस्त है। समय-समय पर यहां धरती हिलने के हल्के-फुल्के झटके आते रहते हैं। इसके कारण जमीन खिसकने की घटनाएं भी यहां की खेती-किसानी को प्रभावित करती हैं। राज्य में नदी पर अधिकांश तटबंध व बांध 60 के दशक में बनाए गए थे। अब वे बढ़ते पानी को रोक पाने में असमर्थ हैं। फिर उनमें गाद भी जम गई है, जिसकी नियमित सफाई की कोई व्यवस्था नहीं हैं। पिछले साल पहली बारिश के दबाव में 50 से अधिक स्थानों पर ये बांध टूटे थे। इस साल पहले ही महीने में 27 जगहों पर मेढ़ टूटने से जलनिधि के गांव में फैलने की खबर है। बराक नदी गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना नदी प्रणाली की दूसरे नंबर की सबसे बड़ी नदी है। इसमें उत्तर-पूर्वी भारत के कई सौ पहाड़ी नाले आकर मिलते हैं जो इसमें पानी की मात्रा व उसका वेग बढ़ा देते हैं। ब्रह्मपुत्र घाटी में तट-कटाव और बाढ़ प्रबंध के उपायों की योजना बनाने और उसे लागू करने के लिए दिसंबर, 1981 में ब्रह्मपुत्र बोर्ड की स्थापना की गई थी। बोर्ड ने ब्रह्मपुत्र व बराक की सहायक नदियों से संबंधित योजना कई साल पहले तैयार भी कर ली थी। केंद्र सरकार के अधीन एक बाढ़ नियंत्रण महकमा कई सालों से काम कर रहा है और उसके रिकॉर्ड में ब्रह्मपुत्र घाटी देश के सर्वाधिक बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में से है। इन महकमों ने इस दिशा में अभी तक क्या कुछ किया? असम को सालाना बाढ़ के प्रकोप से बचाने के लिए ब्रह्मपुत्र व उसकी सहायक नदियों की गाद सफाई, पुराने बांध व तटबंधों की सफाई, नए बांधों का निर्माण जरूरी है।

सू-दोकू नवताल -2148

3		5	1	9	7	4		8
			6					5
		6	2	8		1		3
2					9	6		7
		4		3		2		
5		7	4					9
6		3		5	1	9		
8					4			
7		1	9	2	6	3		4

सू-दोकू -2147 का हल

2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2148

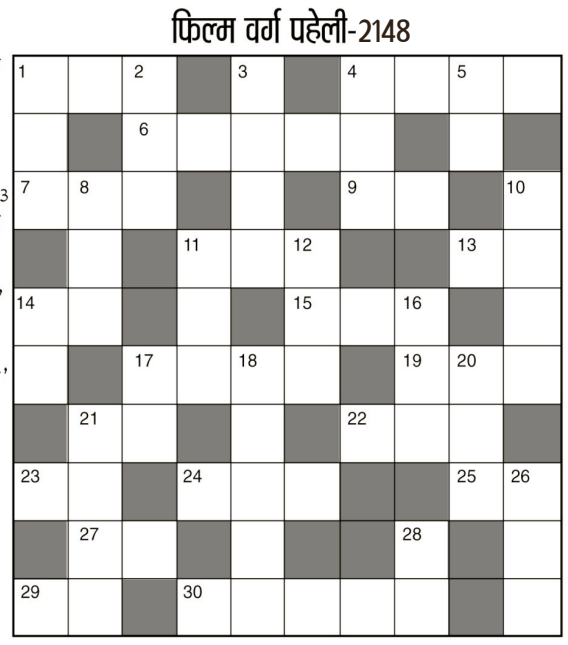

बायें से दायें:-

1. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'राजी राजी मैं हूँ राजी' गीत वाली फिल्म-3
4. 'उनके खयाल आये तो' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-2,2
6. मिथुन, मधु की 'हुस्न वालों से ये दिल बचाये' गीत वाली फिल्म-5
7. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी देओल, सोहेल, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-3
9. अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-2
11. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-3
13. अनिलकपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-2
14. 'साँसों का चलना' गीत वाली सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-2
15. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-3
17. 'तूने ओ रंगीले ऐसा' गीत वाली राजकुमार, विनोद, प्रिया की फिल्म-4
19. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की 'आँखें भी होती' गीत वाली फिल्म-3
21. 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-2
22. फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में देव आनंद के साथ नायिका कौन थी-3
23. 'फूलों से जो खुशबू आये' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-2
24. फिल्म 'हुतूतू' में नायक कौन था-3
25. 'मेरा मन क्यों तुझे चाहे' गीत वाली आमिर खान, मनीषा की फिल्म-2
27. आमिर, टिवंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-2
29. 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फारूख शेख, पूनम ढिल्लों कीफिल्म-2
30. आमिताभ, रजनीकांत, माधवी की 'रोते रोते हँसना' गीतवाली फिल्म-2,3

ऊपर से नीचे:-

मौज' गीत वाली फिल्म-3
12. 'मेरे यार ये दिन हो' गीत वाली शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की फिल्म-3
14. 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-2
16. 'हर गोरी रानी' गीत वाली वहीदा, अमिताभ, जीनत, परवीन की फिल्म-3
17. अमिताभ, रति, वहीदा की 'दोनों जवानी की मस्ती में' गीत वाली फिल्म-2
18. 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-5
20. नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल, नताशा की 1982 की एक फिल्म-3
21. 'ओ रात के' गीत वाली किशोर कुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-2,2
26. अमिताभ, संजीव, हेमा, शर्मिला की फिल्म-3
28. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अक्षयकुमार, टिवंकल खन्ना की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2147

क्वै	क	मे	ल		जं		बे	व	फा
क		ला	ल	बं	ग	ला		जू	
	ही		का		ली		ग	द	र
मे	रा	ध	र	म		रा	ज		फ्ता
हं		मां		ह	वा		ब	हा	र
दी	दी		दि	ल	दा	र		सि	
	दा	मु	ल			मा	ई	ल	व
सु	र		से	ह	रा				फा
हा		य		व		ज	या	प्र	दा
ग	दिं	श		स	त्या		दें		र

1. दिलीपकुमार, नर्गिस एक की फिल्म-3
2. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'तेरी आँखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-3
3. 'पी कर शंकर जी की बूटी' गीत वाली ऋषिकपूर, नीलम की फिल्म-4
4. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीना की 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-3
5. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-2
8. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-3
10. 'मैं तेरे मन की मैना' गीत वाली अजय देवगन, काजोल की फिल्म-4
11. अमोल पालेकर, रंजीता की 'नाचो गाओ

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई । मुम्बई शेयर में गुरुवार को बढ़त रही। बाजार में यह तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही आई टी और बैंक शेयरों में उछाल से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 443.19 अंक करीब 0.86 फीसदी की बढ़त के साथ ही 52,265.72 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाले नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 143.35 अंक तकरीबन 0.93 फीसदी ऊपर आकर 15,556.65 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में मारुति, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल, टीसीएस, सन फार्मा, विप्रो, आईसीआईसीआई बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों को लाभ हुआ जबकि दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी, पावर ग्रिड और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर नीचे आये हैं। कारोबार के दौरान मारुति सुजूकी , हीरो मोटो कॉप, इशर मोटर, एनएंडएम और बजाज ऑटो के शेयरों को सबसे ज्यादा लाभ हुआ जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज , एनटीपीसी, पॉवर ग्रिड कारपोरेशन और ग्रेसिम इंडस्ट्रीज के शेयर गिरे हैं।

इससे पहले गत दिवस बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान के निक्की, हांगकांग के हैंगसेंग सूचकांक और चीन के शंघाई कंपोजिट में उछाल आया पर दक्षिण कोरिया का कॉस्पी गिरा है।

यूरोपीय और अमेरिकी शेयर बाजार भी नीचे आये हैं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 30 अरब डॉलर बढ़ाः आरबीआई

मुंबई । आरबीआई द्वारा जारी किए गए आंकडो के मुतो बिक देश के विदेशी मुद्रा भंडार में वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान मूल्यांकन प्रभाव सहित मौजूदा मूल्य पर 30.3 अरब अमेरिकी डॉलर की बढ़ोतरी हुई। इससे पहले वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान 99.2 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी। भुगतान संतुलन के आधार पर, मूल्यांकन प्रभावों को छोड़कर, विदेशी मुद्रा भंडार में 2021-22 के दौरान 47.5 अरब डॉलर की वृद्धि हुई, जबकि 2020-21 में यह आंकड़ा 87.3 अरब डॉलर था।

सोने , चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने , चांदी की कीमतें गिरी हैं। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 133 रुपये नीचे आकर 50,719 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। इससे पहले के कारोबारी सत्र में सोना 50,852 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं इसी प्रकार चांदी भी 664 रुपये की गिरावट के साथ ही 59,781 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई जबकि पिछले कारोबारी सत्र में चांदी का भाव 60,445 रुपये प्रति किलोग्राम रहा था। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 1,833 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर था जबकि चांदी 21.24 डॉलर प्रति औंस पर बनी रही।

चायोस ने कारोबार विस्तार के लिए 53 करोड़ डॉलर जुटाए

मुंबई । चाय रेस्तरां चलाने वाली चायोस ने कारोबार विस्तार सहित अन्य कार्यों के लिए 53 करोड़ डॉलर (लगभग 414 करोड़ रुपये) जुटाए हैं। कंपनी के इस साल के अंत तक 100 रेस्तरां जोड़ने की योजना है। कंपनी ने बताया कि उसने यह पूंजी अल्फा वेब वेंचर्स की अगुवाई में जुटाई है। वित्त पोषण के इस दौर में इसके सभी मौजूदा निवेशक...एलिवेशन कैपिटल, टाइगर ग्लोबल और थिंक इन्वेस्टमेंट्स ने भाग लिया। चायोस ने कहा, कंपनी जुटाई गई पूंजी का इस्तेमाल तकनीक बढ़ाने, और लोगों को काम पर रखने तथा स्टोर के विस्तार में करेगी। चायोस की स्थापना 2012 में नितिन सलूजा और राघव शर्मा ने की थी। इसकी छह शहरों में लगभग 190 स्टोर हैं। कंपनी की इस साल के अंत तक 100 और रेस्तरां खोलने की योजना है।

मेकमायट्रिप 'हॉलिडे विशेषज्ञों' में महिला टीम को बढ़ाएगी

मुंबई । ऑनलाइन यात्रा-पर्यटन फर्म मेकमायट्रिप ने कहा कि उसकी योजना 'हॉलिडे विशेषज्ञों में पूरी तरह महिलाओं की टीम को बढ़ाने की है। कंपनी ने कहा कि इन्होंने बीते वित्त वर्ष में अब तक सबसे अधिक पैकेज की बिक्री की और लगातार वृद्धि दर की है। मेकमायट्रिप ने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 में महिला फ्रीलांसरों की टीम ने 'हॉलिडे विशेषज्ञों के रूप में सेवा देकर लगभग दो लाख यात्रियों के लिए पैकेज तैयार करने में मदद की। यह आंकड़ा इन विशेषज्ञों द्वारा पिछले 10 से अधिक वर्षों में बिके पैकेजों में सबसे अधिक है। बयान में कहा गया कि लगातार वृद्धि से प्रेरित होकर आने वाले महीनों में मेकमाईट्रिप फ्रैंचाइजी नेटवर्क का विस्तार करेगी और देश भर में 'हॉलिडे विशेषज्ञों' की संख्या में बढ़ोतरी करेगी। हालांकि, कंपनी ने यह नहीं बताया कि 'हॉलिडे विशेषज्ञों' में पूरी तरह महिलाओं की टीम की संख्या कितनी बढ़ाई जाएगी।

ब्रिटेन में 40 साल के उच्च स्तर पर महंगाई दर

मुंबई । ब्रिटेन में महंगाई दर इस साल मई में 40 वर्ष के उच्चतम स्तर 9.1 प्रतिशत पर पहुंच गई। अप्रैल के मुकाबले मई में मुद्रास्फीति बढ़ी है। ब्रिटेन के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने कहा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल में 9 प्रतिशत से थोड़ी बढ़ गई, जो वर्ष 1982 के बाद का सबसे उच्च स्तर है। देश के मुख्य अर्थशास्त्री ग्रांट फिट्जनर ने कहा कि खाद्य पदार्थों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी और पेट्रोल (गैसोलीन) की रिकॉर्ड कीमतों का प्रभाव महंगाई पर पड़ा। हालांकि कपड़ों की कीमतों में पिछले साल की तुलना में इस वर्ष कम वृद्धि से महंगाई में तेजी पर कुछ अंकुश लगा। गौरतलब है कि ब्रिटेन में मौजूदा महंगाई दर विश्लेषकों के अनुमान के अनुरूप है। वहीं बैंक ऑफ इंग्लैंड ने कहा कि देश में महंगाई दर अक्टूबर के दौरान 11 प्रतिशत तक जा सकती है।

वोडाफोन आइडिया ने 8,837 करोड़ रुपये के एजीआर बकाया भुगतान को टाला

मुंबई ।

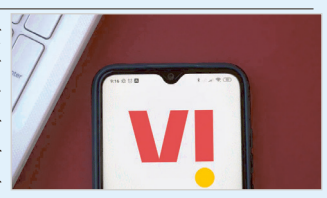

कर्ज में डूबी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया ने 8,837 करोड़ रुपये के अतिरिक्त समायोजित सकल राजस्व के भुगतान को टालने का फैसला किया है। यह भुगतान चार साल के लिए टाला गया है। कंपनी ने 22 जून को देर रात दी सूचना में बताया कि दूरसंचार विभाग ने 15 जून को वित्त वर्ष 2016-17 के बाद अतिरिक्त दो वित्त वर्षों के लिए समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) की मांग की है। यह मांग वैधानिक बकाया पर उच्चतम न्यायालय के आदेश के तहत शामिल नहीं थी। वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने ''डॉट के उक्त पत्र के अनुसार, एजीआर से संबंधित बकाया राशि को चार साल की अवधि के लिए स्थगित करने के विकल्प को तत्काल प्रभाव से मंजूरी दे दी। सरकार दूरसंचार परिचालकों से उनके एजीआर के आधार पर राजस्व के अपने हिस्से की गणना करती है। वीआईएल ने कहा, डॉट के उक्त पत्र में कंपनी को इन एजीआर से संबंधित बकाया राशि के ब्याज को इक्विटी में बदलने का विकल्प भी दिया गया है, जिसके लिए उक्त डॉट पत्र की तारीख से 90 दिनों का वक्त दिया गया है।'' कंपनी ने बकाया राशि के ब्याज को इक्विटी में बदलने का विकल्प चुना है। वीआईएल ने कहा कि 8,837 करोड़ रुपये की ताजा मांग में संशोधन हो सकता है और अंतिम राशि को 31 मार्च 2026 के बाद छह समान वार्षिक किस्तों में चुकाना होगा।

पी-नोट के जरिये मई में निवेश घटकर 86,706 करोड़ रुपये पर

मुंबई ।

भारतीय पूंजी बाजार में पार्टिसिपेटरी नोट (पी-नोट्स) के द्वारा निवेश मई, 2022 में मासिक आधार पर घटकर 86,706 करोड़ रुपये रह गया। विशेषज्ञों का कहना है कि विदेशी संस्थागत निवेशक आने वाली एक-दो तिमाहियों में अपने बिकवाली के रुख को बदलते हुए देश के शेयरों में वापस लिवाली करने वाले हैं। पंजीकृत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की तरफ से पी-नोट उन विदेशी निवेशकों को जारी किए जाते हैं, जो भारतीय शेयर बाजार में बिना पंजीकरण के निवेश करना चाहते हैं। हालांकि इसके लिए उन्हें पूरी जांच-परख की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) के आंकड़ों के अनुसार, घरेलू बाजारों में पी-नोट के जरिये निवेश का मूल्य मई, 2022 के अंत में 86,706 करोड़ रुपये रह गया, जो अप्रैल में 90,580 करोड़ रुपये था।

वहीं, मार्च 2022 में यह 87,979 करोड़ रुपये जबकि फरवरी और जनवरी में क्रमशः 89,143 और 87,989 करोड़ रुपये था। आंकड़ों के अनुसार, मई में 86,706 करोड़ रुपये के कुल पी-नोट निवेश में से 77,402 करोड़ रुपये का निवेश शेयरों में किया गया। जबकि 9,209 करोड़ रुपये बांड एवं 101 करोड़ रुपये 'हाइब्रिड' प्रतिभूतियों में लगाए गए थे। वहीं, अप्रैल के अंत में 81,571 करोड़ रुपये का निवेश शेयरों और 8,889 करोड़ रुपये निवेश बांड में किए गए थेब बाजार जानकार ने कहा, शेयर बाजार वर्तमान समय में मूल्य के हिसाब से आकर्षक हो गया है। आपूर्ति श्रृंखला और मुद्रास्फीति आने वाले महीनों में कम होगी। उन्होंने कहा, बाजार अक्सर आर्थिक वृद्धि चक्र से आगे चलते है और हमारा मानना है कि आने वाली एक-दो तिमाही में विदेशी निवेशक घरेलू बाजारों में वापस लिवाली का रुख अपनाएंगे।''

पी-नोट की तुलना में एफपीआई के अंतर्गत परिसंपत्ति मई के अंत में पांच प्रतिशत घटकर 48.23 लाख करोड़ रुपये रही। अप्रैल अंत में यह 50.74 लाख करोड़ रुपये थी। इस बीच, मई के दौरान विदेशी निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजारों से 40,000 करोड़ रुपये तथा बांड बाजारों से 5,505 करोड़ रुपये निकाले हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत दरों में बढ़ोतरी की आशंकाओं के कारण विदेशी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। यह लगातार आठवां महीना है जब एफपीआई ने भारतीयों बाजारों से शुद्ध रूप से निकासी की है।

खतरनाक साबित हो सकती है 6 फीसद से ज्यादा महंगाई : आरबीआई मौद्रिक नीति समिति

- मई और जून, 2022 में आरबीआइ ने रेपो रेट में कुल 0.90 फीसद की वृद्धि की

नई दिल्ली ।

आरबीआइ की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने कहा कि देश में 6 फीसदी से ज्यादा महंगाई खतरनाक सो बित हो सकती है। मई और जून, 2022 में आरबीआइ ने रेपो रेट में कुल 0.90 फीसद की वृद्धि की है। लेकिन महंगाई का खतरा कम नहीं हुआ है। आरबीआइ के गवर्नर डॉ. शक्तिकांत दास के शब्दों में महंगाई अभी भी एक बड़ी चिंता बनी हुई है, आर्थिक गतिविधियों में सुधार तेजी से हो रहा है लेकिन अब इसमें खिंचाव आ रहा है। समिति के एक दूसरे सदस्य व आरबीआइ के डिप्टी गवर्नर डॉ. माइकल पात्रा का कहना है कि अगर महंगाई हाथ से बाहर निकलती है तो आर्थिक रिकवरी के लिए खतरनाक साबित हो सकती है। उन्होंने चार कारण बताये हैं कि क्यों छह फीसद से ज्यादा महंगाई की दर भारत के लिए खतरनाक है। पहला कारण यही है कि आर्थिक विकास दर की रफ्तार को तेज करने की कोशिशों के लिए घातक है। दूसरा, कंपनियों के लिए निवेश संबंधी फैसला करना मुश्किल होगा क्योंकि उत्पादों की कीमतों को लेकर अनिश्चितता होती है। तीसरा, बैंक जमा को लेकर अनिश्चितता बढ़ती है और लोग सोना आदि में निवेश शुरु कर सकते हैं। भारत पहले ही दुनिया में सोना का दूसरा सबसे बड़ा आयातक है।

चौथा, रुपया कमजोर होता है जिससे आयात महंगा हो जाता है और इसका असर महंगाई पर दोबारा से होता है। ऐसे में आरबीआइ की कोशिश महंगाई को उसके निर्धारित बैंड के बीच रखने की हर कोशिश होनी चाहिए ताकि वर्ष 2022-23 और वर्ष 2023-24 में आर्थिक विकास दर 6-7 फीसद के बीच बनी रहे।

आगे रेपो रेट में और वृद्धि संकेत आरबीआइ गवर्नर के इस बयान से मिलता है कि अभी इसकी दर महामारी शुरु होने से पहले के स्तर पर नहीं पहुंची हैं। उन्होंने आश्वस्त किया है कि ब्याज दरों में वृद्धि इस तरह से की जाएगी कि विकास की रफ्तार पर बहुत असर नहीं पड़े। पिछली बैठक में उन्होंने भी रेपो रेट में 50 आधार अंकों की वृद्धि करने की हिमायत की थी। समिति के सभी सदस्यों ने रेपो रेट में 0.50 फीसद की वृद्धि करने के प्रस्ताव का समर्थन किया था।

समिति के एक अन्य सदस्य डॉ. राजीव रंजन ने महंगाई से लड़ाई में केंद्र सरकार व राज्य सरकारों को भी योगदान देने की बात कही है और इनसे अपने वित्तीय प्रबंधन को भी बेहतर करने का आग्रह किया है। केंद्र व राज्य सरकारें ज्यादा उधारी लेंगे या ज्यादा खर्च करेंगे तो उससे भी महंगाई बढ़ सकती है।

नेक्सन इलेक्ट्रिक वाहन में आग लगने की घटना की जांच में जुटी टाटा मोटर्स

मुंबई ।

वाहन विनिर्माता टाटा मोटर्स ने कहा कि वह हाल ही में मुंबई में एक नेक्सन इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) में आग लगने की घटना की जांच कर रही है। टाटा मोटर्स ने कहा, ÷हम, हाल ही में वाहन में आग लगने से संबंधित घटना के तथ्यों का पता लगाने के लिए गहराई से जांच कर रहे हैं। हम अपनी कार्रवाई पूरी होने के बाद ही इस संबंध में विस्तृत जानकारी साझा करने वाले हैं। इलेक्ट्रिक वाहन में आग लगने की घटना को सोशल मीडिया मंच पर व्यापक रूप से साझा करने के बीच कंपनी ने यह बयान जारी किया है। कंपनी ने कहा कि हम अपने वाहनों और ग्राहकों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। वाहन विनिर्माता ने कहा, ''लगभग चार साल में यह पहली घटना है। इस दौरान अबतक 30,000 से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों ने पूरे देश में संयुक्त रूप से 10 लाख किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की है।'' दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों में बीते कुछ दिनों में आग लगने की कई घटनाएं सामने आई है। ओला इलेक्ट्रिक, ओकिनावा ऑटोटेक और प्योर ईवी जैसे कई इलेक्ट्रिक दोपहिया विनिर्माताओं ने इन घटनाओं के चलते अपने बिचली चालित वाहनों को वापस मंगाया है। सरकार ने भी इन घटनाओं के मद्देनजर जांच के लिए एक समिति गठित की है। इसके साथ ही वाहन विनिर्माताओं को लापरवाही बरतने पर दंड की चेतावनी भी दी है।

कोयला आधारित बिजली उत्पादन देश में विद्युत क्षेत्र की रीढ़ः एनटीपीसी प्रमुख

नई दिल्ली।

सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक गुरदीप सिंह ने कहा कि कोयला आधारित बिजली उत्पादन देश में विद्युत आपूर्ति की रीढ़ है और यह स्थिति अगले दो-तीन दशकों तक इसी तरह बनी रहने वाली है। उन्होंने यह सुझाव भी दिया कि स्वच्छ या गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए भारत को कम लागत वाले वित्त पोषण पर जोर देने की जरूरत है। सिंह ने यहां ब्लूमबर्ग एनईएफ शिखर सम्मेलन में एक चर्चा के दौरान कहा कि कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों को चरणबद्ध तरीके से बंद करने की बात की जगह भारत को प्रेषण योग्य नवीकरणीय ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि लोग कोयले के बारे में बहुत अधिक चिंतित क्यों हैं? आज हम कोयला आधारित संयंत्रों से तीन-चौथाई बिजली की आपूर्ति कर रहे हैं। ये कोयला आधारित बिजली संयंत्र की रीढ़ हैं। हमें यह देखने की जरूरत है कि कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को चरणबद्ध तरीके से बंद करने बजाय कोयला आधारित उत्पादन को कैसे कम किया जाए। सिंह ने कहा कि कोयला आधारित संयंत्रों को चरणबद्ध तरीके से बंद करने की बात जल्दबाजी होगी और कोयला आधारित बिजली दो से तीन दशकों तक रहने वाली है।

टाटा स्टील ब्रिटेन, नीदरलैंड्स में कम कार्बन उत्सर्जन वाली तकनीक अपनाएगी

नई दिल्ली ।

टाटा स्टील ब्रिटेन और नीदरलैंड में इस्पात बनाने के लिए कम कार्बन उत्सर्जन वाली तकनीक का उपयोग करने की योजना बना रही है। टाटा स्टील ने अक्टूबर 2021 में टाटा स्टील यूके और टाटा स्टील नीदरलैंड्स को टाटा स्टील यूरोप से अलग दो स्वतंत्र कंपनियों के रूप में गठित करने की प्रक्रिया पूरी की थी। कंपनी के सीईओ और एमडी टीवी नरेंद्रन और कार्यकारी निदेशक और सीएफओ कौशिक चटर्जी ने कहा कि टाटा स्टील यूके और टाटा स्टील नीदरलैंड दोनों 2050 तक कॉर्बन डाई ऑक्साइड निरपेक्ष इस्पात का उत्पादन करने के लक्ष्य के लिए काम कर रही हैं। इस लक्ष्य के लिए कम कार्बन उत्सर्जन वाली तकनीक को अपनाने की विस्तृत योजना तैयार की जा रही है। अधिकारियों ने कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि टाटा स्टील नीदरलैंड में अगले 10 वर्षों के दौरान क्रमिक रूप से ब्लास्ट फर्नेस और कोयले को हटाने की योजना बना रहे हैं। इसकी जगह हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक फर्नेस पर आधारित डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन (डीआरआई) तकनीक को लाया जाएगा

मुनाफे की दृष्टि से मोती की खेती एक अच्छा विकल्प

- 12-14 महीने में तालाब से प्राप्त कर सकते हैं मोती, 50-60 हजार रुपए में शुरु कर सकते हैं कारोबार

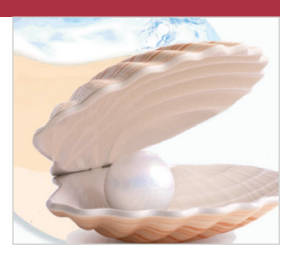

नई दिल्ली । मोती एक प्राकृतिक रत्न है, जो सीप से पैदा होता है। बाहरी कणों के सीप के अंदर प्रवेश करने से मोती का निर्माण होता है। लाभ की दृष्टि से यह कारोबार आपके लिए काफी अच्छा विकल्प हैबता दें कि इसकी खेती तालाब में होती है। आप तालाब खुद खुदवा सकते हैं या किसी से किराये पर ले सकते हैं। अगर आप किराये पर तालाब लेते हैं, तो 50-60 हजार रुपए में यह कारोबार शुरू कर सकते हैं। मोती की मांग घरेलू ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी हमेशा बनी रहती है । इस कारोबार में मुनाफे को देखकर कई लोग आज इसकी कृत्रिम खेती करने लगे हैं। अगर आप वैज्ञानिक तरीके से और ट्रेनिंग लेकर मोती की खेती करते हैं, तो अच्छी गुणवत्ता वाली मोती पा सकते हैं। कई संस्थान इसकी ट्रेनिंग दे रहे हैं। मोती की खेती के लिए सबसे अनुकूल समय अक्टूबर से दिसंबर तक माना जाता है।

कृत्रिम मोती को आप अपनी इच्छा के अनुसार आकार, रंग-रूप दे सकते हैं। आप सरकारी संस्थानों या फिर मछुआरों से सीप खरीदकर खेती शुरू कर सकते हैं। आपको सबसे पहले सीपों को खुले पानी में 2 दिन के लिए रखना होता है। इसके बाद में धूप और हवा लगने के बाद सीप का कवच और मांसपेशियां ढीली हो जाती हैं। मांशपेशियां ढीली होने के बाद सीप की सर्जरी कर सीप के अंदर सांचा डाला जाता है। जब यह सांचा सीप को चुभता है, तो वह इस पर अपने अंदर से निकलने वाला एक पदार्थ छोड़ता है। यही सांचा मोती का रूप ले लेता है। आप 12-14 महीने में तालाब से मोती प्राप्त कर सकते हैं।

बता दें कि मोती की कीमत उसकी गुणवत्ता के हिसाब से तय होती है।

बाजार में एक मोती को 120 रुपए से लेकर 200 रुपए तक बेच सकते हैं। एक एकड़ के तालाब में आप कम से कम 25000 सीपियां डाल सकते हैं। इस पर करीब 8 लाख रुपए का खर्च आता है। अगर हर एक सीप से दो मोतियां निकलती हैं, तो भी आप खर्च निकालकर लाखों रुपये की कमाई कर सकते हैं। डिजायनर मोती के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में 10,000 रुपए तक मिल सकते हैं।

ब्याज दरों में बढ़ोतरी का यही सही समयः आरबीआई

- आगे और भी बढ़ेगा रेपो रेट, महंगा हो जाएगा होम लोन सहित सभी कर्ज

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि ब्याज दरों में बढ़ोतरी का यही सबसे सही समय है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि महंगाई पर काबू पाने के लिए रेपो रेट में बढ़ोतरी करना जरूरी है । जून के पहले सप्ताह में आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की हुई बैठक के मुख्य अंश जारी करते हुए रिजर्व बैंक ने कहा कि महंगाई हमारे दायरे से बाहर जा रही है। इसे वापस नीचे लाने के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी के अलावा कोई अन्य रास्ता नहीं था। महंगाई पर काबू पाने के साथ अर्थव्यवस्था को गति देने की दोहरी चुनौती भी है। लिहाजा गवर्नर दास का जोर बाजार से तरलता घटाने और ब्याज दरों को ऊपर ले जाने पर रहा। महंगाई से पार पाने के लिए रिजर्व बैंक कर्ज को महंगा कर रहा है। यही कारण रहा कि 8 जून को एमपीसी बैठक के नतीजों में रेपो रेट में 0.50 फीसदी की बढ़ोतरी लागू की गई। रिजर्व बैंक पर महंगाई को लेकर किस कदर दबाव है, इसका अंदाजा हालिया एमपीसी बैठक के फैसलों से लगाया जा सकता है। आरबीआई ने चालू वित्तवर्ष के लिए खुदरा महंगाई के अनुमान को 2.20 फीसदी बढ़ाकर 6.7 फीसदी कर दिया है। उसका मानना है कि तमाम कोशिशों के बावजूद खुदरा महंगाई 6 फीसदी के तय दायरे से नीचे नहीं आएगी। एमपीसी सदस्य माइकल पात्रा का कहना है कि रिजर्व बैंक के फैसले काफी हद तक महंगाई पर निर्भर करेंगे। हमारा अनुमान तीन या चार तिमाही आगे का है और इस बीच खुदरा महंगाई की दर नीचे भी आ सकती है। अगर चालू वित्तवर्ष की दूसरी छमाही में महंगाई से राहत मिलती है तो ब्याज दरों में बढ़ोतरी का सिलसिला थम भी सकता है। हालांकि, एमपीसी सदस्यों ने यह संकेत भी दिया कि अगस्त की बैठक में रेपो रेट को एक बार फिर बढ़ाया जा सकता है। अगर रेपो रेट फिर बढ़ता है तो आम आदमी पर कर्ज का बोझ भी बढ़ जाएगा और नया कर्ज लेने वालों को होम लोन, ऑटो लोन, पर्सनल लोन सहित तमाम तरह के खुदरा लोन पर ज्यादा ईएमआई का भुगतान करना पड़ेगा। ब्याज दरों में बढ़ोतरी का सिलसिला महंगाई के काबू आने तक जारी रह सकता है।

...त बनाम श्रीलंकाई : भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका से पहला टी20आई 34 रनों से जीता

दाबुला (एजेंसी)।

...ीय महिला टीम ने दाबुला ... पर श्रीलंका के खिलाफ ...ा रहा पहलाा टी-20 ... 34 रन से जीत लिया ...त ने पहले खेलते हुए ...ोड्रिगेज के 27 गेंद में तो ... वर्मा के 31 रनों की ... 138 रन बनाए थे। ... में श्रीलंकाई टीम 10 ... में पांच विकेट खोकर ... ही बना पाई। केविशा ... ने 49 गेंदों में 6 चौकों ...द से 47 रन बनाए। ...गेंदबाज राधा यादव ने 2 ... पूजा और शैफाली वर्मा ने 1-1 विकेट लिया।

भारत की सभी प्रारूपों की नई कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया लेकिन उनके बजाय श्रीलंका ने स्वप्निल शुरूआत की। भारत ने सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (01) का विकेट पारी के तीसरे ओवर में ही खो दिया। 25 साल की भारतीय खिलाड़ी हाथ खोलने के प्रयास में अनुभवी ओशादी का शिकार बनीं। वह शॉट खेलने की कोशिश में गेंद सीधे मिडऑन पर खड़ी चामरी अटापट्टू को कैच दे बैठीं।

सभिनेनी मेघना एक भी रन नहीं जोड़ सकीं और अनुभवी राणासिंघे ने उन्हें ड्रेसिंग रूम में भेज दिया। गर्म और उमस भरे हालात में शुरू में ही दो विकेट गंवाने के बाद टीम पर दबाव साफ दिख रहा था। हरमनप्रीत और शेफाली वर्मा की जोड़ी ने इस नाजुक स्थिति को संभाला। शेफाली (31 रन) आउट होने वाली तीसरी खिलाड़ी रही जिन्हें अटापट्टू ने अपना शिकार बनाया जब वह बड़ा शॉट खेलने का प्रयास कर रही थीं।

श्रीलंकाई गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी कर सुनिश्चित किया कि उन्हें जल्द ही बड़ा विकेट मिल जाए और ऐसा हुआ भी जब कप्तान हरमनप्रीत (22) 11वें ओवर में स्पिनर इनोका राणावीरा की गेंद पर पगबाधा आउट हुई। राणावीरा ने दो और विकेट अपने नाम किये, उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष (11) और पूजा वस्त्राकर (14) के विकेट लेकर मेहमान टीम के 17 ओवर में छह विकेट झटक लिए थे जबकि उसका स्कोर महज 106 रन था।

टीम में वापसी कर रही रोड्रिगेज ने भारत को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी बखूबी निभाई। पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरी रोड्रिगेज दबाव में नहीं आई और उन्होंने टीम के लिए अहम रन जुटाए।

उन्होंने तीन चौके और एक छक्का जमाया और दूसरे छोर पर दीप्ति शर्मा ने आठ गेंद में 17 रन जोड़े।

रोनाल्डो सिंह ने स्प्रिंट स्पर्धा ... रजत से अपना तीसरा पदक जीता, भारत 5वें स्थान पर र...

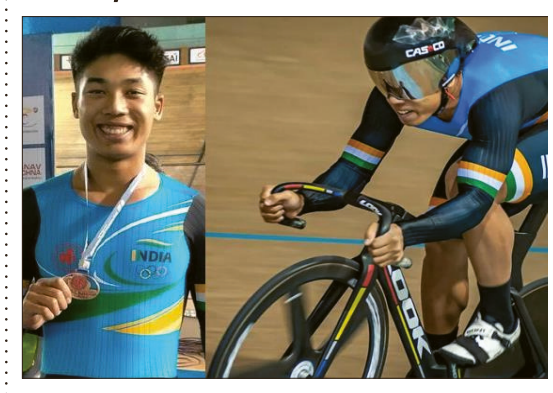

पेरिस (एजेंसी)।

नई दिल्ली - शीर्ष भारतीय साइकिलिस्ट रोनाल्डो सिंह ने एशियाई ट्रैक चैम्पियनशिप के अंतिम दिन सीनियर वर्ग की स्प्रिंट स्पर्धा में रजत पदक जीतकर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। यह चैम्पियनशिप में उनका तीसरा पदक था। उन्होंने इससे पहले 1 किमी टाइम ट्रायल और टीम स्प्रिंट स्पर्धा में कांस्य पदक जीते थे। बुधवार को उन्होंने जापान के अनुभवी राइडर केंटो यामासाकी को कड़ी चुनौती दी लेकिन दूसरा स्थान ही हासिल कर सके। यामासाकी ने लगातार रेस में रोनाल्डो को पछाड़ कर पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल किया।

कजाखस्तान के आंद्रे चुगे ने स्पर्धा का कांस्य पदक जीता। सुबह रोनाल्डो ने सेमीफाइनल में कजाखस्तान के आंद्रे चुगे को पछाड़ा था। यह भारतीय पहली रेस में हार गया था लेकिन वापसी करते हुए अगली दो रेस जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। रोनाल्डो ने कहा कि मेरे दिमाग में स्वर्ण पदक था, लेकिन फिर भी मैं खुश हूं क्योंकि यह मेरा पहला रजत पदक है। यह मेरे करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। प्रत्येक टूर्नामेंट में मेरी तकनीक में सुधार हुआ है, यह सबसे अहम है।

मंगलवार को विश्व जूनियर चैम्पियन और एशियाई रिकॉर्डधारी रोनाल्डो ने 200 मीटर फ्लाइंग टाइम ट्रायल में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था और पुरूष एलीट स्प्रिंट रेस स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बनायी थी। घरेलू टीम ... दिन एक रजत और ... पदक जीते। भारतीय साइकिलिस्ट बिरजीत यु... 15 किमी प्वाइंट रेस में ... से कांस्य पदक जीता।

कोरिया के सुंगयिओ... 24 अंक से रज... उज्बेकिस्तान के ... बोबोशेरोव ने स्वर्ण पद... किया। छायानिका गोगोई ... हैरान करने वाली सा... रहीं। इस 19 वर्षीय सा... ने 10 किमी महिला ... फाइनल में कजाखस्तान ... की दावेदार रिनाटा सुल्ता... पछाड़कर कांस्य पदक ... का खाता खोला। योयूरी ... स्वर्ण और जापान ... फुरूयामा ने रजत प... किया।

इंदिरा गांधी इंडोर स्टे... वेलोड्रोम में एशियाई जूनि... पैरा चैम्पियनशिप भी इस... ही आयोजित की गई थी... दिन 10 फाइनल में कुछ ... भी टकरायी। जापान 1... सात रजत और दो ... संयुक्त पदक तालिका में ... रहा। वर्ल्ड क्लास प... भारतीय साइकिलिंग ... पदक (दो स्वर्ण, छह र... 15 कांस्य) से पांचवें ... रही। कोरिया 12 स्वर्ण, ... और 3 कांस्य पदक जीत... स्थान पर रहा जबकि कज... ने 4 स्वर्ण, 4 रजत ... कांस्य से तीसरा स्थान ... किया।

...का दौरे के लिए पाकिस्तान की टीम में यासिर शाह की वापसी

...लामाबाद (एजेंसी)।

...भग एक साल तक बाहर ... बाद लेग स्पिनर यासिर ... क्रिकेट में वापसी करेंगे ...किस्तान ने श्रीलंका में ...हीने होने वाली दो मैच ...ला के लिए 18 सदस्यीय ...जगह दी है।

...र पिछले साल वेस्टइंडीज ...ाफ श्रृंखला के बाद से ...फटनेस लेकर जूझ रहे हैं। ...ात साल पहले श्रीलंका में ...ट चटकाकर पाकिस्तान ...1 की जीत में अहम ...निभाई थी। शाह ने टीम में ...स्पिनर साजिद खान की ...ी है जो आस्ट्रेलिया के ... पिछली घरेलू टेस्ट ...ें खेले थे।

...स्तान ने यह श्रृंखला 0-1 ... थी। पदार्पण का इंतजार ...आलराउंडर सलमान अली आगा और बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज को भी टीम में शामिल किया गया है। पहला टेस्ट गॉल में 16 से 20 जुलाई तक होगा जबकि कोलंबो दूसरे टेस्ट की मेजबानी 24 से 28 जुलाई तक करेगा। पाकिस्तान की टीम छह जुलाई को श्रीलंका रवाना होगी और 11 से 13 जुलाई तक तीन दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी।

टीम इस प्रकार है: बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान, अब्दुल्ला शफीक, अजहर अली, फहीम अशरफ, फवद आलम, हारिस राउफ, हसन अली, इमाम उल हक, मोहम्मद नवाज, नसीम शाह, नौमान अली, सलमान अली आगा, सरफराज अहमद, सौद शकील, शाहीन अफरीदी, शान मसूद और यासिर शाह।

रणजी ट्रॉफी फाइनल : सरफराज शो के बाद मध्य प्रदेश का ठोस जवाब

बेंगलुरु (एजेंसी)।

सरफराज खान (134) के शतक की बदौलत मुंबई के 374 रन बनाने के बाद मध्य प्रदेश ने गुरुवार को रणजी ट्रॉफी फाइनल के दूसरे दिन के अंत तक एक विकेट के नुकसान पर 123 रन बना लिए। मुंबई के लिए दूसरे दिन 248/5 से शुरुआत करते हुए सरफराज ने मध्य प्रदेश को 'सरफराज शो' दिखाया। एक तरफ जहां मुंबई के अन्य बल्लेबाज एमपी की फिरकी के आगे बेअसर नजर आए, सरफराज ने मोर्चा संभालते हुए रणजी के इस सत्र का चौथा शतक जड़ा।

सरफराज ने 243 गेंदें खेलकर 13 चौकों और दो छक्कों की मदद से 134 रन बनाए। सरफराज के अलावा शम्स मुलानी ने 12, तनुष कोटियान ने 15, तुषार देशपांडे ने छह और मोहित अवस्थी ने सात रन बनाए। मध्य प्रदेश की ओर से सबसे सफल गेंदबाज गौरव यादव रहे जिन्होंने 35.4 ओवर में 106 रन देकर सरफराज खान के बहुमूल्य विकेट सहित 4 विकेट झटके। इसके अलावा अनुभव अग्रवाल ने तीन, सारांश जैन ने दो और कुमार कार्तिकेय ने एक विकेट लिया।

मुंबई के 374 रन का जवाब देने उतरी मध्य प्रदेश को हिमांशु मंत्री और यश दूबे ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच 47 रन की साझेदारी हुई। शुरुआती ओवरों में दोनों बल्लेबाजों ने अपना समय लिया, लेकिन इस सीजन के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले

गेंदबाज शम्स मुलानी के आते ही हिमांशु ने अपने हाथ खोले। हिमांशु ने मुलानी के दूसरे ओवर में दो छक्के जड़कर पारी का गियर बदला। मुलानी ने दिन के अपने 11 ओवर में 46 रन दिये। हिमांशु 49 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों सहित 31 रन बनाकर लय में दिख रहे थे मगर तुषार देशपांडे ने उन्हें एलबीडब्ल्यू कर मुंबई को पहली सफलता दिलाई।

तीसरे नंबर पर आए शुभम शर्मा ने सलामी बल्लेबाज यश दूबे के साथ 76 रन की साझेदारी कर ली है। दिन का खेल समाप्त होने तक मध्य प्रदेश ने 123/1 रन बना लिए हैं। यश 131 गेंदों पर 44 रन (छह चौके) बनाकर खेल रहे हैं जबकि शुभम ने 65 गेंदों पर 41 रन (छह चौके) बना लिए हैं। पहले सत्र में सरफराज शो के बाद जहां मध्य प्रदेश पिछड़ी हुई लग रही थी, वहीं उन्होंने सूझ-बूझ के साथ बल्लेबाजी करते हुए दूसरे दिन सिर्फ एक विकेट गंवाया। दूसरे दिन के अंत तक मध्य प्रदेश 251 रन से पिछड़ी हुई है, मगर उनके पास 9 विकेट भी बाकी हैं, जो मुंबई के लिए चिंता का विषय है।

...तीय महिला फुटबॉल ... तीन देशों के टूर्नामेंट ...वीडन से हारी

...कहोम। भारतीय महिला फुटबॉल टीम कड़ी ... पेश करने के बावजूद दूसरे हॉफ के इंजुरी ... गोल खाने के कारण तीन देशों के अंडर-23 ... में स्वीडन से 0-1 से हार गई। बुधवार की ... खेले गए मैच स्वीडन की तरफ से एकमात्र ...िडफील्डर लिन विकियस ने 96वें मिनट ...टाइम के छठे मिनट) में किया। भारत ने शुरू ...दबा बनाए रखा और गोल करने के कई ... बनाए लेकिन अंतिम क्षणों की चूक आखिर ...महंगी पड़ी। भारत को पहला बड़ा मौका मैच ...वें मिनट में मिला जब मिडफील्डर मनीषा ... ने अपनी टीम की साथी मार्टिना थोकचोम ... पास पर करारा शॉट जमाया लेकिन वह सीधे ...र के पास चला गया। मनीषा को 35वें मिनट ... से गोल करने का मौका मिला, लेकिन ... रक्षापंक्ति ने उनका प्रयास विफल कर दिया। ... गोलकीपर एम्मा होल्मग्रेन ने इसके बाद ...मिनट में भारत का एक और मौका नाकाम ...दूसरी तरफ भारतीय गोलकीपर अदिति चौहान ...थी। जब यह लग रहा था कि मैच ड्रॉ हो ...तब विकियस ने स्वीडन के लिए महत्वपूर्ण ...िया। भारत अपने अगले मैच में 25 जून को ...ा से भिड़ेगा।

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा- भारत में खेल और खिलाड़ियों का हुआ विकास

नई दिल्ली (एजेंसी)।

फुटबाल की वैश्विक संस्था फीफा और एशियाई फुटबाव परिसंघ (एएफसी) के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से मुलाकात कर भारतीय फुटबाल की स्थिति सुधारने को लेकर चर्चा की। इस दौरान दो अहम फैसले लिए गए। जिसमें भारतीय फुटबाल संघ (एआइएफएफ) के चुनाव को जल्द से जल्द संपन्न कराना और महिला अंडर-17 फीफा विश्व कप का भारत में ही आयोजन सुनिश्चित करना शामिल था।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि देश में खेलों की सुविधाएं बढ़ी हैं, खिलाड़ी सशक्त हुए हैं। यदि राज्य सरकारें, केंद्र सरकार, राज्य संघ, गैर सरकारी संगठन और कॉरपोरेट एक साथ आ जाएं तो एथलीटों और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। खेल और खिलाड़ियों का विकास हुआ है। भारत ने जिस तरह टोक्यो ओलंपिक में 7 मेडल, पैरालंपिक में 19 मेडल, डेफ ओलंपिक में 16 मेडल, आईबीए महिला वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड और ब्रॉन्ज मेडल जीता और बैडमिंटन टीम ने थॉमस कप जीत कीर्तिमान स्थापित किया है।

जब क्रीज पर उतरता हूं तो अच्छा प्रदर्शन करने के लिए खुद पर भरोसा करता हूं: जायसवाल

बेंगलुरू (एजेंसी)।

यशस्वी जायसवाल सिर्फ 22 साल के हैं लेकिन उन्हें पता है कि मजबूत वापसी कैसे की जाती है। उन्होंने पिछले महीने इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रायल्स के खिलाफ ऐसा किया और इस महीने रणजी ट्रॉफी नॉकआउट में मुंबई के लिए शानदार प्रदर्शन किया। क्वार्टर फाइनल में शतक जड़ने के बाद जायसवाल ने सेमीफाइनल में दो शतक जड़े। वह फाइनल में मध्य प्रदेश में खिलाफ सत्र के चौथे शतक की ओर बढ़ रहे थे लेकिन बुधवार को रणजी ट्रॉफी फाइनल के पहले दिन मध्य प्रदेश के तेज गेंदबाज अनुभव अग्रवाल ने उन्हें

78 रन के स्कोर पर आउट कर दिया। जायसवाल ने पहले दिन के खेल के बाद कहा, ''हां, मैं इसे लेकर थोड़ा दुखी हूं लेकिन यह क्रिकेट है। आपको अच्छे और बुरे दोनों का अनुभव करना होता है। मैंने अब तक यही सीखा है।'' उन्होंने कहा, ''क्रिकेट में, चीजें उस तरह नहीं होती जैसे आप चाहते हो लेकिन मैं क्रिकेट और इंसान के रूप में खुद में सुधार के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहा हूं।'' आईपीएल के दौरान जायसवाल को शुरुआती कुछ मुकाबलों से बाहर किया गया था लेकिन टूर्नामेंट के दूसरे हाफ में उन्होंने रॉयल्स की अंतिम एकादश में वापसी की और कुछ शानदार पारियां खेली। जायसवाल ने कहा, ''आईपीएल में भी ऐसा ही हुआ था। मुझे तीन मैच खेलने को मिले, फिर बाहर हो गया और फिर सात मैच के बाद वापसी की। लेकिन इस सब के बीच में मेरे दिमाग में यह चीज स्पष्ट है कि मुझे कड़ी मेहनत करनी होगी और हमेशा अनुशासित रहना होगा।'' जायसवाल ने कहा कि खराब दौर के दौरान सिर्फ कड़ी मेहनत का फल मिलता है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा कि उन्हें दबाव की स्थिति में अच्छा प्रदर्शन करने का भरोसा है। जायसवाल ने कहा, ''फाइनल अलग है क्योंकि आपकी मानसिकता अलग होती है। मेरे करीबी लोगों ने मुझे इतनी सारी बातें बताई हैं क्योंकि वे चाहते हैं कि मैं अच्छा प्रदर्शन करूं। बेशक वे दबाव बनाते हैं। ईमानदारी से कहूं तो मुझे इस दबाव का सामना करने में खुशी होती है, मैं इसका लुत्फ उठाता हूं।'' उन्होंने कहा, ''मैं इस मानसिकता के साथ उतरता हूं कि मैं ऐसा करूंगा। मैं स्वयं पर विश्वास और भरोसा करता हूं कि मैं जब भी क्रीज पर उतरूंगा तो अच्छा प्रदर्शन करूंगा।

भारत फीफा रैंकिंग में दो पायदान चढ़कर 104वें स्थान पर पहुंचा

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम को एशियाई कप क्वाली... में प्रभावशाली प्रदर्शन का फायदा गुरुवार को जारी ताजा फी... रैंकिंग में मिला जिसमें वह दो पायदान के फायदे से 104वें ... पहुंच गई। भारतीय टीम न्यूजीलैंड (103) से एक पायदान नी... इस महीने के शुरू में अंतरमहाद्वीपीय प्लेऑफ में कोस्टारिका ... से हारने के कारण विश्व कप में जगह बनाने से चूक गया था। फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के सदस्यों में भारत पहले की त... स्थान पर बना हुआ है। ईरान कुल 23वें स्थान और एएफसी ... शीर्ष स्थान पर बरकरार है। सुनील छेत्री की अगुवाई वाली टी... महीने की शुरुआत में एशियाई कप क्वालीफिकेशन में सर्वश्रे... किया और ग्रुप डी में अपने तीनों लीग मैच जीतकर 2023 ... वाले 24 टीम के फाइनल्स में जगह बनायी। विश्व रैंकिंग में ... शीर्ष पर बना हुआ है। उसके बाद बेल्जियम, अर्जेंटीना, फ्रांस, ... स्पेन, इटली, नीदरलैंड, पुर्तगाल और डेनमार्क का नंबर आता...

मालोर्का टेनिस चैंपियनशिप - मेदवेदे... सिटसिपास आगे बढ़े, किर्गियोस ... वापस लिया नाम

पाल्मा । दानिल मेदवेदेव और स्टेफानोस सिटसिपास ने ... टेनिस चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है, ... निक किर्गियोस विंबलडन से पहले चोट से बचने के लिये इस... से हट गए। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मेदवेदेव ने असलान ... को 4-6, 6-3, 6-2 से जबकि सिटसिपास ने इल्या इवाश्का ... 4, 6-4 से पराजित किया। मेदवेदेव का सामना अब रॉबर्टो ... अगुट से होगा, जो किर्गियोस के मैच से पहले हटने के का... बढ़े हैं। मेदवेदेव इस साल विंबलडन में नहीं खेल पाएंगे क्यों... इंग्लैंड क्लब ने यूक्रेन में युद्ध को लेकर रूस और उसके ... बेलारूस के खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगा रखा है। विश्व में ... के सिटसिपास का अगला मुकाबला अमेरिका के मार्कोस ...

...20 विश्व कप के लिए ऋषभ , श्रेयस और वेंकटेश की जगह खतरे में पड़ी

लंदन (एजेंसी)।

...्रेलिया में अक्टूबर , ... होने वाले टी20 विश्व ...कट में ऋषभ पंत के साथ ...स अय्यर और वेंकटेश ...ो जगह मिलना भी कठिन ... रहा है। इन तीनों का ही ...ल के दिनों में अच्छा ... है। टी20 विश्व कप के ...भी टीमों को आगे... उससे पहले होने वाले मैचों में ऋषभ , श्रेयस ओर वेंकटेश को अपने को साबित करना होगा। टी20 विश्व कप से पहले भारतीय टीम कई टी20 मैचों में अपने खिलाड़ियों को आजमाएगी जिससे वह 15 खिलाड़ियों का अच्छा दल तैयार कर सके। ऐसे में अगर आगामी मैचों में ये खिलाड़ी रन नहीं बना पाते हैं तो उन्हें विश्व कप के लिए शायद ही जगह मिले। ...

... खिलाफ खेले 5 मैचों में 14.50 की औसत के साथ केवल 58 ही रन बनाए थे। वहीं श्रेयस के पास विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव के टीम में नहीं होने के कारण अपनी जगह पक्की करने का अच्छा अवसर था पर वह विफल रहे। वह सीरीज के दौरान 23.50 की औसत से 94 ही रन बना पाए। श्रेयस और सूर्यकुमार तीसरे नंबर पर उतरते हैं। ऐसे में अय्यर ...

वहीं हार्दिक पांड्या जब फिट नहीं थे तो वेंकटेश अय्यर को उनके विकल्प के रूप में अवसर मिले थे पर जैसे ही हार्दिक ने अपनी वापसी के बाद बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। उससे वेंकटेश के अवसर कम हुए हैं। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर दीपक चाहर, कुलदीप यादव और वॉशिंगटन सुंदर भी अगर फिट हो जाते हैं तो इन्हें ...

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्वस्थ तन और मन के लिए याद रखें 5 नियम

हमारे शरीर की हर प्रणाली आपस में जुड़ी हुई है। इसलिए, हमारा शारीरिक स्वास्थ्य हमारे मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, और हमारा मानसिक स्वास्थ्य हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। हम इन नियमों को नियमों की तरह नहीं मानते हैं, क्योंकि ये जीवन का एक तरीका हैं।

पूरा पोषण लेना

पोषण लेने का मतलब यह नहीं है कि हम हर समय सलाद खाते रहते हैं, लेकिन यह सुनिश्चित करता है कि हम अपने शरीर को प्रोटीन, काबोर्हाइड्रेट, वसा से लेकर सभी विटामिन और खनिजों तक सभी पोषक तत्वों से भर दें। यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारा कुल कैलोरी सेवन हमारे शरीर संरचना लक्ष्यों के अनुरूप है। यह भी सुनिश्चित करते हुए कि हमारे आहार में हमारे पसंदीदा और मुख्य खाद्य पदार्थ हैं। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि हमारे शरीर का 50-60 प्रतिशत हिस्सा पानी से बना है और हमें इष्टतम स्वास्थ्य, मस्तिष्क के कार्य आदि के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है।

व्यायाम और गतिविधि

सप्ताह में कम से कम 3-5 बार व्यायाम करना हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है। व्यायाम का कोई भी रूप जो हमारे लिए सुरक्षित है, और जिसका हम आनंद लेते हैं, हम में से अधिकांश के लिए एक अच्छी शुरूआत है। दैनिक आधार पर सक्रिय रहने और अधिक कदम (8-10' कदम) चलने के साथ इसे जोड़ना एक आदर्श संयोजन बनाता है।

इसके बाद नींद आती है

हर रात 75 घंटे से ज्यादा सोना अच्छा होता है। पर्याप्त नींद भी हमारी उत्पादकता में सुधार करती है और लालसा, भूख को कम करती है, सूजन और भावनात्मक प्रतिक्रिया को कम करती है।

तनाव प्रबंधन और दिमागीपन

दूसरी ओर, तनाव प्रबंधन भी उतना ही महत्वपूर्ण है, अगर तनाव को ठीक से प्रबंधित किया जाए, तो यह वास्तव में हमें बेहतर प्रदर्शन करने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है। याद रखें, हमारे विचारों की गुणवत्ता हमारे जीवन की गुणवत्ता को निर्धारित करती है। इसलिए, हमें सक्रिय रूप से अपने दिमाग पर काम करना चाहिए, खुद को सुधारना चाहिए और अपने मानसिक दोषों को कम करना चाहिए। नियमित रूप से ध्यान करना और कृतज्ञता जर्नलिंग रूटीन रखना इनके लिए एक गेम चेंजर है।

पर्यावरण और नियमित प्रबंधन

पर्यावरण प्रबंधन में हमारे पर्यावरण में सब कुछ शामिल है। किचन में खाने से लेकर हमारी आदतों और सोशल मीडिया पर हम लोगों को फॉलो करते हैं। क्या हम अपने आत्म-विकास और हमारे लिए महत्वपूर्ण लोगों को पर्याप्त समय दे रहे हैं? यह उस तरह के लोगों तक भी फैलता है जिनसे हम खुद को घेरते हैं। खुद से पूछने के लिए कुछ प्रश्न : क्या वे हमें प्रेरित करते हैं? क्या वे हमें और हमारे लक्ष्यों का समर्थन करते हैं? क्या वे हमें सुधारने में मदद करते हैं? क्या हमारी दिनचर्या हमें स्वस्थ बनाती है, हमें मनुष्य बनाती है या हमें अधिक उत्पादक बनाती है? मैं अत्यधिक सुबह और सोने से पहले की दिनचर्या रखने की सलाह दूंगा।

लहसुन-अदरक के सेवन से रहें सेहतमंद

किसी भी बीमारी से लड़ने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता का मजबूत होना बहुत जरूरी है। इस बात से हम सभी वाकिफ हैं और इसे मजबूत करने के लिए अपनी डाइट में पौष्टिक आहार व सही दिनचर्या का पालन करना भी जरूरी है। साथ ही ऐसी चीजों को अपनी डाइट में शामिल करने की आवश्यकता है, जो हमें अंदर से मजबूत बनाए। हमारी रसोई में वे सारी औषधियां मौजूद हैं जिनके गुणों से हम अभी भी अनजान हैं।

जी हां, आप अदरक-लहसुन का इस्तेमाल खाने के स्वाद को बढ़ाने के लिए जरूर करते होंगे, लेकिन क्या आप इसके सेहत लाभ के बारे में जानते हैं? लहसुन-अदरक के सेवन से आप निरोगी काया पा सकते हैं। लेकिन इसी के साथ इसका सेवन कैसे करना है, इस बारे में भी हमें पता होना आवश्यक है। अधिकतर लोग यह सोचते हैं कि केवल खाने में ही अदरक-लहसुन का सेवन काफी है लेकिन इसके अलावा भी आपको इनका सेवन करना चाहिए, क्योंकि खाने के पकने के दौरान इनके गुण कम हो जाते हैं। आइए जानते हैं इस लेख में लहसुन-अदरक के फायदों व सेवन करने के सही तरीके के बारे में।

इम्यून सिस्टम को कैसे करें मजबूत?

इम्यून को मजबूत करने के लिए लहसुन का इस्तेमाल करें। इसे खाने में पका के खाने की बजाय इसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। कुछ देर इन्हें हवा लगने दें। लहसुन में एंटीमाइक्रोबियल तत्व पाया जाता है। ये तत्व वायरस, बैक्टीरिया व फंगस के खिलाफ काम करते हैं। लहसुन खाने से एंटीवायरस प्रोटेक्शन भी मिलता है।

लहसुन कैसे खाएं

इसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। इसे आप खाना खाने के बाद पानी के साथ ले सकते हैं। लहसुन को चबा-चबाकर खाने की बजाए इसे पानी के साथ सीधा निगल लें। इस तरह से लहसुन का सेवन करने से यह ज्यादा फायदेमंद होता है। लहसुन को 25 से 30 दिन नियमित खाने के बाद आपके अंदर से लहसुन की खूशबू आना शुरू हो जाएगी तब आप समझ जाएं कि इससे अधिक आपको लहसुन का सेवन नहीं करना है।
लहसुन कई लोगों को हजम नहीं होता है। इसके लिए आप इसका सेवन एकसाथ न करें व धीरे-धीरे इसकी आदत डालें। शुरुआत के समय आप लहसुन के एकदम छोटे से हिस्सा का सेवन करें, फिर इसी तरह धीरे-धीर इसे बढ़ाएं। जब आप लहसुन ले रहे हैं तो इसके साथ दही का सेवन भी करें।

अदरक

अदरक औषधीय गुणों से भरपूर है। इसके सेवन से आप अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत रख सकते हैं। इसका नियमित सेवन आपको कई स्वास्थ्य लाभ देगा।

अदरक को कैसे खाएं?

अदरक को बिलकुल बारीक पीस लें व कद्दूकस करें। आपको अदरक 1 चम्मच लेना है। इसमें 6 गिलास पानी डालें। अब इसे उबलने दें। जब यह पानी 3 गिलास हो जाए तो इसे 1 कप में निकाल लें। इसे आप गुड़ या शहद के साथ भी ले सकते हैं। दिनभर में एक बार इसका सेवन करें।

जानिए मुलेठी के ये गजब के फायदे

मुलहठी स्वाद में मीठी होने के साथ-साथ कई औषधि गुणों से भरपूर है। इसके सेवन से न सिर्फ खांसी में आराम मिलता है बल्कि इसके कई फायदे भी है। इसका इस्तेमाल आंखों के रोग, मुंह के रोग, गले के रोग, दमा, दिल के रोग, घाव के उपचार के लिए सदियों से किया जा रहा है आइए जानते हैं मुलहठी के गजब के फायदों के बारे में.

- अगर आप सूखी खांसी या गले की समस्याओं से परेशान हैं, तो मुलहठी आपके काम की चीज है। काली मिर्च के साथ पीस कर मुलहठी का सेवन, सूखी खांसी में तो लाभकारी है ही, साथ ही इसे चूसने या उबालकर सेवन करने से गले की खराश, दर्द आदि में भी लाभ होता है।
- मुलहठी चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करती है। इसे घिसकर लगाने पर चेहरे के दाग और मुंहासे ठीक हो जाते हैं, साथ ही यह आपकी त्वचा को जवा बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- मुलहठी रक्त को भी शुद्ध करती है जिससे त्वचा की समस्याएं नहीं होती।
- दूध के साथ मुलहठी का सेवन शरीर की ताकत में वृद्धि करता है। इसके अलावा घी व शहद के साथ मुलहठी का प्रयोग करने से हृदय से संबंधित समस्याएं नहीं होती।
- मुंह में छाले हो जाने की स्थिति में मुलहठी चूसना, इसके पानी से कुल्ला करना और उसे पीना बहुत जल्दी छालों से राहत देता है। साथ ही मुलहठी आवाज को मधुर और सुरीली बनाने के लिए भी उपयोग की जाती है।
- पेट के अल्सर में मुलहटी का सेवन ठंडक देने के साथ ही लाभप्रद होता है। आंत की टीबी होने की स्थिति में भी मुलहठी फायदेमंद उपाय है।
- त्वचा या शरीर में कहीं जल जाने पर भी मुलहठी के चूर्ण और मक्खन का लेप एक कारगर उपाय है, साथ ही यह आंखों की रौशनी में भी वृद्धि करती है।

क्या खाना खाने के बाद चलना सेहतमंद है?

वॉकिंग करना यानी टहलना कई वजहों से हेल्थ के लिए फायदेमंद ही है। इसस दिल स्वस्थ रहता है, कैलोरी बर्न करने में मदद मिलती है, मूड को बेहतर बनाता है। लेकिन क्या खाना खाने के बाद वॉकिंग करना हेल्दी है? स्टडी से पता चलता है कि यह शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है।

यह ब्लड शुगर को रखता है मैंटेन

डायबिटीज मैनेजमेंट में एक अहम हिस्सा आपकी फिजिकल एक्टिविटी होती है। टाइप 2 डायबिटीज रोगियों के साथ एक कंट्रोल्ड ट्रायल में पाया गया कि जो लोग अपने मुख्य भोजन के बाद वाकिंग करते थे उनका शुगर लेवल उन रोगियों की तुलना में कम था जो दिन में सिर्फ एक बार चलते थे।

दिल के लिए है अच्छा

एक्सरसाइज आपके दिल को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हर दिन चलने से आपको हृदय रोग का खतरा कम हो सकता है। दरअसल करेंट ओपिनियन इन कार्डियोलॉजी जर्नल में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार वाकिंग करना कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ, ब्लड सर्कुलेशन और ब्लडप्रेशर के लिए फायदेमंद होता है। इस तरह खाना खाने के बाद चलना आपके दिल की देखभाल करने का एक अच्छा तरीका है।

पाचन को रखता है दुरुस्त

रिसर्च कहती है कि फिजिकल एक्टिविटी के एंटी इन्फ्लेमेटरी एक्टिविटी के कारण खाना खाने के बाद चलना पाचन में सुधार कर सकता है। एक्सरसाइज से अपनी आंतों में फैट, लिपिड और ग्लूकोज मेटाबोलिज्म के परिवर्तनों को कम करने में मदद करते हैं जो इन्फ्लेमेटरी स्थितियों को कम कर सकते हैं।

लेकिन दुष्प्रभाव भी हैं

खाने के बाद वॉकिंग करना पेट में तकलीफ की वजह भी बन सकता है। इनमें अपच, मतली, उल्टी, पेट फूलना, गैस, दस्त, और दर्द शामिल हैं। यह एक हाई कार्बोहाइड्रेट सेवन या हाल ही में खाए गए खाद्य पदार्थों के पाचन में समस्याओं के कारण होता है। इससे बचने के लिए आपको चलने से 30 मिनट पहले इंतजार करना चाहिए।

चलना या वॉकिंग करना ऐसी एक्टिविटी है जिसे आप आसानी से अपनी रूटीन में शामिल कर सकते हैं। लेकिन क्या खाना खाने के बाद चलना सेहतमंद है?

पेट से जुड़ी समस्याओं से हैं परेशान तो इन आसान उपायों से पाएं छुटकारा

लाइफस्टाइल में बदलाव का सीधा असर आपके स्वास्थ्य पर पड़ता है। गलत खान-पान आपकी सेहत को प्रभावित करता है, ऐसे में पेट से जुड़ी समस्या का होना आम बात है। जैसे पेट दर्द, गैस, पेट का फुलना आदि। वहीं कुछ लोग पेट अच्छी तरह साफ न होने की शिकायत रहती है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे उपाय बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप पेट साफ न होने की समस्या से निजात पा सकते हैं।

- बदहजमी से परेशान है, तो आपको पुदीने का सेवन करना चाहिए। पुदीना पेट को साफ करने में मदद करता है। इसका सेवन आप चटनी के रूप में भी कर सकते है।
- सौंफ और सफेद जीरा पाउडर को पहले तवे पर भून लें और फिर उसे मिलाकर पीस लें। अब इस पाउडर का सेवन या तो दिन में एक बार करें या फिर अगर पेट साफ न होने की समस्या से ज्यादा परेशान हैं, तो इसका सेवन दो से तीन बार करें। आपको पेट साफ न होने की समस्या से राहत मिलेगी।
- नियमित रूप से सुबह के समय गुनगुना पानी पीने की आदत बनाएं। इसके कई फायदे हैं। यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है और शरीर से सभी विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है। साथ ही पेट से जुड़ी समस्याओं से राहत मिलती है।
- अजवाइन का बीज गैस और बदहजमी की समस्या को दूर करता है और तुरंत पेट को साफ करता है। इसके लिए आप अजवाइन के बीज को भूनकर रख लें और खाना खाने के बाद कुछ बीजों को रोज चबाएं।

आलू का करें छिलके सहित इस्तेमाल जानिए इसके लाभ

सब्जी बनाते समय हम जब आलू का इस्तेमाल करते है, तो आमतौर पर लोग इसके छिलके निकाल कर फेंक देते है, और इसके बाद ही आलू का इस्तेमाल करते है, लेकिन क्या आप जानते हैं आलू को छिलके सहित इस्तेमाल करने के क्या सेहत लाभ मिलते हैं।

ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है

आलू में भरपूर मात्रा में पोटेशियम पाया जाता है, जो कि ब्लड प्रेशर को रेग्युलेट करने में मदद करता है।

मेटाबॉलिज्म ठीक रखता है

आलू के छिलकेमेटाबॉलिज्म को भी सही रखने में मददगार होते है। इन्हें खाने से नर्व्स को मजबूती मिलती है।

एनीमिया से दूर रखता है

आलू के छिलकेमें आयरन भी भरपूर मात्रा में होता है जिससे एनीमिया होने का खतरा बहुत हद तक कम हो जाता है।

ताकत

आलू के छिलकेमें भरपूर मात्रा में विटामिन बी3 पाया जाता है, जो कि शरीर को ताकत देने का काम करता है।

फाइबर से भरपूर

हमारी डाइट में फाइबर की कुछ मात्रा जरूर शामिल होना चाहिए और आलू के छिलकेमें अच्छी मात्रा में फाइबर्स होते हैं। ये डाइजेस्टिव सिस्टम को भी बूस्ट करने का काम करते है।

अमृतसर के 445 वें स्थापना दिवस पर 450 वन तैयार करेगा अमेरिका का सिख संगठन

वाशिंगटन।अमेरिका के एक सिख संगठन ने बुधवार को घोषणा की कि 2027 में अमृतसर की 450वीं वर्षगांठ मनाने के लिए उसकी योजना अगले पांच वर्षों के दौरान पवित्र शहर में 450 वन तैयार करने की है।''इकोसिख'' संगठन27 जून को अमृतसर के 445 वें स्थापना दिवस पर एक अभियान शुरू करेगा ताकि उस पर्यावरणीय संकट से निपटने में मदद मिल सके जिसका सामना शहरवासी कर रहे हैं। एक विज्ञप्ति में बताया गया है कि ''इको अमृतसर 450'' नामक यह अभियान पांच साल तक चलेगा और पर्यावरण संबंधी अपने प्रयासों में मदद के लिए यह नागरिक समाज, शैक्षणिक संस्थानों, प्रवासी समुदाय, धार्मिक और सरकारी निकायों को जोड़ेगा। इकोसिख ने एक बयान में कहा कि हाल के वर्षों में शहर को वायु गुणवत्ता में गिरावट और भूजल संसाधनों में गिरावट का सामना करना पड़ा है। इसमें सुधार के लिए व्यवस्थित अपशिष्ट प्रबंधन और बुनियादी ढांचे की भी भारी कमी है। संगठन के वैश्विक अध्यक्ष डॉ राजवंत सिंह ने कहा ५अमृतसर में प्रतिदिन 1,00,000 से अधिक आगंतुक और तीर्थयात्री आते हैं और इसका प्रभाव आसपास के वातावरण में देखा जा सकता है। इतनी अधिक संख्या में लोगों के आने से जल और खाद्य संसाधनों पर दबाव पड़ता है, अतिरिक्त ऊर्जा का उपयोग होता है और अतिरिक्त अपशिष्ट तथा कूड़ा उत्पन्न होता है। यह सब देखते हुए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए उपाय करना और पर्यावरणीय क्षरण को रोकने के लिए वनों का रोपण करना महत्वपूर्ण है।'' इकोसिख इंडिया की अध्यक्ष सुप्रीत कौर ने कहा कि हाल के वर्षों में अमृतसर शहर का हरित आवरण बहुत संकुचित हो गया है। उन्होंने कहा कि कई पेड़ काटे गए हैं और उनकी जगह दूसरे पेड़ नहीं लगाए गए हैं। उन्होंने कहा ''वन रोपण से शहर को जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी प्रभाव से निपटने में मदद मिलेगी।'' पिछले 38 महीनों में, इकोसिख ने गुरु नानक देव की 550वीं जयंती के उपलक्ष्य में दस लाख पेड़ लगाने के अपने लक्ष्य के तहत 400 से अधिक वन लगाए हैं। इसने अमृतसर में भी कुछ वन तैयार किए हैं।

बुल्गारिया के सांसदों ने देश की गठबंधन सरकार के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव को मंजूरी दी

सोफिया (बुल्गारिया)। बुल्गारिया के सांसदों ने देश की गठबंधन सरकार के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है जिससे मध्यमार्गी प्रधानमंत्री पद से हट सकते हैं और बाल्कन देशों द्वारा यूरोपीय संघ से जुड़ने के प्रयासों को झटका लग सकता है। दक्षिणपंथी विपक्षी दल जीईआरबी ने सरकार पर जनता के पैसे का दुरुपयोग करने और महंगाई बढ़ाने के लिए जिम्मेदार गलत आर्थिक नीतियां अपनाने का आरोप लगाते हुए गत सप्ताह प्रस्ताव पेश किया था। यह अविश्वास प्रस्ताव 123-116 से पारित हो गया और सभी ने मतदान में हिस्सा लिया। हार्वर्ड से पढ़ाई करने वाले प्रधानमंत्री किरिल पेत्कोव ने दिसंबर में गठबंधन सरकार बनाई थी।

पाकिस्तान में अपनी पसंद का सेना प्रमुख बनाने की कभी योजना नहीं बनाई: इमरान खान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने बुधवार को कहा कि उन्होंने कभी अपनी पसंद का सेना प्रमुख बनाने की योजना नहीं बनाई, जैसा की उनके विरोधियों ने आरोप लगाया है। इस्लामाबाद में एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए खान ने कहा कि उन्होंने अपनी पसंद का सेना प्रमुख नियुक्त करने का बारे में कभी नहीं सोचा था। उन्होंने कहा, ''अल्लाह मेरा गवाह है। मैंने कभी नहीं सोचा कि नवंबर में सेना प्रमुख कौन होगा। इमरान खान को अपना सेना प्रमुख नियुक्त करने की जरूरत नहीं है।'' गौरतलब है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख का कार्यकालनवंबर 2022 में समाप्त होना है।

रिश्तों की खटास दूर करने सऊदी अरब के युवराज तुर्की की राजधानी अंकारा पहुंचे

अंकारा। तुर्की के बीच के रिश्तों में आई खटास के बीच सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान तुर्की राजधानी अंकारा पहुंचे हैं। वह पहली बार तुर्की की यात्रा पर आए हैं। इस यात्रा का मकसद इस्तांबुल में सऊदी स्तंभकार जमाल खशोगी की हत्या के बाद क्षेत्र के दो शक्तिशाली देशों के दूरी को खत्म करना है। वह पश्चिम एशिया की अपनी यात्रा के आखिरी चरण में तुर्की पहुंच रहे हैं जहां वह राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन से मुलाकात करेंगे। वह मिस्र और जॉर्डन भी गए थे। अगले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति जो। बाइडन भी इस क्षेत्र की यात्रा पर आने वाले हैं।

एर्दोआन ने कहा कि सऊदी युवराज के साथ बातचीत तुर्की तथा सऊदी अरब रिश्तों को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने पर केंद्रित होगी। तुर्की के राष्ट्रपति इस साल अप्रैल में सऊदी अरब गए थे। यह 2017 के बाद उनकी अरब देश की पहली यात्रा थी। उनकी उस यात्रा के एक साल बाद 2018 में इस्तांबुल में सऊदी वाणिज्य दूतावास में खशोगी की बर्बर हत्या की घटना हुई थी। तुर्की सऊदी अरब से अपने रिश्ते सुधारना चाहता है, क्योंकि कि वह दो दशक में सबसे बुरे आर्थिक संकट का सामना कर रहा है और समृद्ध खाड़ी अरब देशों से निवेश हासिल करने की कोशिश में है। तुर्की ने संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र और इज़राइल से भी रिश्ते सुधारने के लिए कदम उठाए हैं। वहीं, सऊदी अरब ऐसे समय में अपने गठबंधन को विस्तार देना चाहता है जब रियाद और वाशिंगटन के बीच रिश्तों में तनाव है।

सऊदी युवराज खशोगी हत्याकांड के विवाद को खत्म करना चाहेंगे जिससे उनकी प्रतिष्ठिता को नुकसान पहुंचा है। तुर्की ने खशोगी की हत्या के शक में 26 सऊदी एजेंट के खिलाफ मुकदमा शुरू किया था। हालांकि इस साल के शुरू में अदालत ने कार्यवाही पर रोक लगा दी और मुकदमे को सऊदी अरब स्थानांतरित कर दिया जिससे मेल-मिलाप का मार्ग प्रशस्त हुआ। हालांकि एर्दोआन ने खशोगी हत्याकांड में कभी मोहम्मद बिन सलमान का नाम तो नहीं लिया लेकिन यह जरूर कहा कि हत्या के लिए निर्देश सऊदी सरकार में 'शीर्ष स्तर' से आए थे। खशोगी की अक्टूबर 2018 में इस्तांबुल स्थित सऊदी वाणिज्य दूतावास में हत्या कर दी गई थी।

कोरोना पीड़ितों में पार्किंसन बीमारी का खतरा ज्यादा

वॉशिंगटन । कोरोना के लिए जिम्मेदार सोर्स-सीओवी-2 वायरस के कारण पार्किंसन बीमारी का खतरा बढ़ सकता है। हाल में चूहों पर किए गए अध?ययन में खुलासा हुआ है। रिसर्चर्स के अनुसार, कोविड-19 के मरीज आमतार पर सिरदर्द और अनिद्रा जैसे लक्षणों को रिपोर्ट करते हैं, जो एक वायरल इनफेक?शन में कोई नई बात नहीं है। उन्होंने बताया कि 1918 की एनफ्लुएंजा महामारी के बाद रोगियों को नामक न्यूरोलॉजिकल बीमारी के विकसित होने में करीब एक दशक का समय लगा था। स्टडी में पाया गया कि सोर्स-सीओवी-2 वायरस मस्तिष्क की संवेदनशीलता को एक इसतरह के विष के रूप में बढ़ा सकता है, जो पार्किंसन रोग में देखी गई तंत्रिका कोशिकाओं में मृत्यु का कारण बनता है। शोधकर्ता ने कहा, पार्किंसन एक दुर्लभ बीमारी है, जो 55 वर्ष से ऊपर की आबादी के दो प्रतिशत को प्रभावित करती है। बीमारी के जोखिम की आशंका बढ़ने से घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन कोविड किस तरह से हमारे मस्तिष्क पर असर डाल सकता है, इस जानना इस मायने में महत्वपूर्ण है कि हम इसी से इस बीमारी से निपटने की तैयारी कर लें। स्टडी में कहा गया है कि कोरोना चूहों के मस्तिष?क के नर्वस सेल को उन टॉक्सिन के प्रति संवेदनीशील बना देता है जिसे पार्किंसन की बीमारी के लिए जिम्मेदार माना जाता है और जिससे दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि 2009 की पलू महामारी के कारण एच1एन1 एनफ्लुएंजा स्ट्रेन के संपर्क में आने वाले चूहे एमपीटीपी के प्रति अधिक संवेदनशील थे। एमपीटीपी एक टॉक्सिन है, जो पार्किंसन के विशिष्ट लक्षणों का कारण बनता है। पार्किंसंस बीमारी दूसरा सबसे आम न्यूरोडिजेनरेटिव डिसऑर्डर है। यह एक ऐसी बीमारी है जो मनुष्य के उस हिस्से को प्रभावित करती है जो हमारे शरीर के अंगों को संचालित करता है। इसके लक्षण इतने कम होते हैं कि शुरुआत में आप इस पहचान भी नहीं सकते हैं।

अर्थव्यवस्था चरमराई, हम तेल खरीदने में भी असमर्थ: पीएम विक्रमसिंघे

कोलंबो। श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने कहा है कि कर्ज के बोझ से दबी उनकी अर्थव्यवस्था महीनों तक खाद्य पदार्थों, ईंधन और बिजली के अभाव के बाद चरमरा गई है। उन्होंने संसद में कहा कि श्रीलंका ईंधन, गैस, बिजली और खाद्य सामग्री के अभाव से परे और भी गंभीर हालात का सामना कर रहा है। हमारी अर्थव्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। विक्रमसिंघे देश के वित्त मंत्री भी हैं, जिन पर अर्थव्यवस्था को स्थिर करने की जिम्मेदारी है।

वेटिकन पहुंचे पोप फ्रांसिस लोगों का अभिवादन करते हुए।

अमेरिकन हिंदू कोलीशन ने रुस-यूक्रेन जंग को जल्द खत्म करने की अपील की

वाशिंगटन । भारतीय मूल के प्रख्यात अमेरिकी नागरिकों के समूह ने यूक्रेन के लोगों के प्रति एकजुटता जाहिर की है। संगठन 'अमेरिकन हिंदू कोलीशन ने भारत-अमेरिका सुरक्षा परिषद के साथ मिलकर संसद भवन इमारत में यूक्रेन में नरसंहार के खिलाफ भारतीय-अमेरिकी नागरिक''नामक कार्यक्रम आयोजित किया था। इन लोगों ने रूस से यूक्रेन में आम लोगों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई को तत्काल रोकने की अपील की। इस मौके पर भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि भारत-अमेरिका संबंध राजनीतिक दलों और निर्वाचित नेताओं से परे हैं, दोनों देशों के बीच रिश्तों का आधार मानवाधिकारों, धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र और स्वतंत्रता को लेकर साझा मूल्यों पर केंद्रित है। कृष्णमूर्ति ने कहा, मैं मानता हूं कि भारत-अमेरिका के संबंधों में कुछ जटिलताएं हैं, मुझे उम्मीद है कि हम समय के साथ उन जटिलताओं को हल करने के लिए भारतीयों और भारत सरकार के साथ मिलकर काम कर सकते हैं। कृष्णमूर्ति ने कहा कि अमेरिका और भारत के लिए दीर्घकालिक रणनीतिक खतरा चीनी कम्युनिस्ट पार्टी है। उन्होंने कहा, यदि हम उस दीर्घकालिक रणनीतिक खतरे का मुकाबला करने जा रहे हैं, तब हमें उन लोगों की सहायता के लिए आगे आना होगा जो सत्तावादी तानाशाहों के खिलाफ लड़ते हैं।

'चीन 'सबसे बड़ी सुरक्षा चिंता' है', ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री ने दिया बड़ा बयान

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्लेस ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया के लिए चीन 'सबसे बड़ी सुरक्षा चिंता' है, क्योंकि वह दुनिया को ऐसा आकार देने की कोशिश कर रहा है, जैसा कि पहले कभी नहीं देखा गया है। चार दिवसीय यात्रा पर नयी दिल्ली आए मार्लेस ने यह भी कहा कि भारत की भी समान सुरक्षा चिंताएं हैं और पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ जारी सीमा विवाद को लेकर ऑस्ट्रेलिया नयी दिल्ली के साथ एकजुटता से खड़ा है। ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री ने पत्रकारों के साथ बातचीत के दौरान चीन और रूस के बीच बढ़ते रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग पर चिंता जताई और कहा कि इसका क्षेत्र पर प्रभाव पड़ सकता है।

गौरतलब है कि मार्लेस ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री भी हैं। उन्होंने कहा कि नयी दिल्ली और कैनबरा अपने रक्षा एवं सुरक्षा संबंधों का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, क्योंकि उनका देश दुनिया को लेकर अपने दृष्टिकोण में भारत को पूरी तरह से 'केंद्र' में देखता है। ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री ने कहा, ''चीन सिर्फ ऑस्ट्रेलिया ही नहीं, बल्कि भारत के लिए भी उसका सबसे बड़ा कारोबारी सहयोगी है। वह सिर्फ हमारे लिए ही नहीं, बल्कि भारत के लिए भी सबसे बड़ी सुरक्षा चिंता है।'' मार्लेस ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया न केवल आर्थिक क्षेत्र, बल्कि रक्षा क्षेत्र में भी द्विपक्षीय संबंधों को लेकर करीबी स्तर पर काम कर रहे हैं, ताकि देशों देशों की रक्षा एवं सुरक्षा स्थिति को मजबूत बनाया जा सके। दो साल पहले पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुए संघर्ष के संदर्भ में ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री ने कहा कि उस घटना को लेकर उनका देश भारत के साथ एकजुटता से खड़ा है। उन्होंने कहा, ''चीन हमारे आसपास ऐसी दुनिया बनाने की कोशिशों में जुटा है, जैसा कभी पहले नहीं देखा गया।

पिछले कुछ वर्षों में हमने खासतौर पर इस संबंध में चीन के अधिक आक्रामक व्यवहार को महसूस किया है।'' मार्लेस ने कहा, ''यह वास्तव में जरूरी है कि हम ऐसी दुनिया में रहें, जहां कानून आधारित व्यवस्था हो, जहां देशों के बीच विवादों का निर्धारित नियमों के तहत शांतिपूर्ण ढंग से निपटारा हो।'' चीन और रूस के बीच बढ़ते रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग का जिक्र करते हुए उन्होंने इसके प्रभावों को लेकर अशांकाएं जताईं और कहा कि दुनिया में शांति बनाए रखना बेहद महत्वपूर्ण है। यूक्रेन संकट को लेकर ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री ने कहा कि हम यूक्रेन के घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं और इसका वैश्विक खाद्य आपूर्ति पर प्रभाव पड़ रहा है, जो वास्तव में चिंता का विषय है। भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान की सदस्यता वाले 'क्वाड' समूह के बारे में उन्होंने कहा कि यह सुरक्षा गठजोड़ नहीं है, क्योंकि इसके रक्षा से जुड़े आयाम नहीं हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अमेरिका की सदस्यता वाले 'ऑकस' समूह के बारे में मार्लेस ने कहा कि यह सुरक्षा गठजोड़ नहीं है, क्योंकि इसका मुख्य उद्देश्य प्रौद्योगिकी क्षेत्र में साझेदारी को बढ़ावा देना है।

अब नेपाल से दादागारी, जमीन हड़पने चीन ने बिना सूचना बॉर्डर पर लगाए कंटीले तार

काठमांडू (एजेंसी)।

चीन की अनैतिक विस्तारवादी नीति के चलते सीमावर्ती देशों को बड़ी परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। चीन ने अब नेपाल की जमीन पर लगातार अतिक्रमण करने का सिलसिला जारी रखा है। बताया जा रहा है कि चीन ने नेपाल की जानकारी के बिना सीमा पर कटीले तार लगा दिए हैं। दो साल पहले भी चीन ने गोरखा जिले के रूइला में नेपाली सरजमीन पर सैन्य ठिकाने बना लिए थे। अब उसी क्षेत्र में चीन ने कंटीले तार लगा कर सीमा को बंद कर दिया है। दरअसल, नेपाल के हिमालय क्षेत्र में बॉर्डर का निर्धारण नहीं हो पाया है। इससे सीमा की वास्तविक स्थिति पता नहीं चल पाता है। इसी का फायदा उठाते हुए चीन ने नेपाली सीमा में अतिक्रमण करते हुए कंटीले तार लगा दिए हैं।

नेपाल के गोरखा जिले के रुइला सीमा नाका पर स्थानीय लोगों ने ये जानकारी दी है। चीन ने नेपाली सीमा की ओर कटीले तार लगा दिए हैं। हालांकि, इस बारे में अभी तक न तो जिला प्रशासन और ना ही नेपाली सरकार को जानकारी है। गोरखा जिले के प्रमुख जिला अधिकारी शंकर हरि आचार्य ने बताया की इस तरह की कोई भी जानकारी हमारे पास नहीं है और न ही चीन की तरफ से इसे लेकर कुछ बताया गया। नेपाल की विदेश मंत्रालय की सहायक प्रवक्ता ने रीता धिताल ने बताया कि सीमा क्षेत्र पर कोई भी निर्माण कार्य करने से पहले दोनों देशों की सहमति जरूरी होती है। हालांकि, उन्होंने कहा, ऐसी कोई जानकारी नहीं है कि चीन ने दशगजा क्षेत्र में नेपाली जमीन की ओर ऐसे निर्माण किए हैं। स्थानीय नागरिकों का दावा है कि चीन ने नेपाली भूमि की तरफ कंटीले तार लगाए हैं। रुइला निवासी छिरिंग लामा ने वहां की तस्वीर भेजते हुए बताया कि चीन ने नेपाली भूमि की तरफ से यह कंटीले तार सीमा पर लगाने का काम किया है और हमारे उस तरफ जाने पर प्रतिबंध भी लगा दिया है। लामा का कहना है कि नेपाली गांव रूइला और साम्दा के बीच में यह तार लगाया गया है। एक और स्थानीय नागरिक दावा लामा का आरोप है कि पिछली बार जब से चीन के द्वारा नेपाली भूमि पर भवन संरचना बनाने की खबर मीडिया में आई है तब से सीमा पर और अधिक निगरानी बढ़ा दी गई है।

फ्रांस की कोर्ट ने फैसला पलटा, अब मुस्लिम औरतों को नहीं मिलेगी बुर्किनी पहनने की छूट

पेरिस (एजेंसी)।

फ्रांस में बीते कई सालों से बुर्के को लेकर बहस होती रही है। यहां तक की साल 2011 में सार्वजनिक जगहों पर महिलाओं द्वारा पूरे चेहरे को ढकने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। अब यहां मुस्लिम महिलाओं के द्वारा स्विमिंग पूल में पहनी जाने वाली बुर्किनी पर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। फ्रांसीसी अदालत ने उस नियम को पलट दिया जिसमें मुस्लिम महिलाओं को बुर्किनी पहनने की अनुमति दी गई थी। जिसके बाद से अब मुस्लिम महिलाएं सार्वजनिक पूल में बुर्किनी नहीं पहन सकेंगी। इससे पहले फ्रांस के ग्रेनोबल के मेयर ने कुछ दिन पहले मुस्लिम महिलाओं को बुर्किनी पहनने की मंजूरी दी थी। मुस्लिम महिलाएं पूल में बुर्किनी पहनती हैं जो एक तरह का स्विमसूट है। कुछ मुस्लिम महिलाओं के तैराकी के दौरान अपने शरीर और बालों को ढंकने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला ऑल-इन-वन स्विमसूट फ्रांस में एक विवादास्पद मुद्दा है, जहां आलोचक इसे रेंगते इस्लामीकरण के प्रतीक के रूप में देखते हैं। फ्रांस पहला यूरोपीय देश बना था जिसने बुर्के पर प्रतिबंध लगाया था। ये प्रतिबंध तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी ने लागू किया था। तत्कालीन राष्ट्रपति का कहना था कि हिजाब या बुर्का महिलाओं के साथ अत्याचार है। इसके बाद 16 मई 2022 को ग्रेनोबल शहर के मेयर ने आदेश दिया था कि मुस्लिम महिलाएं पूल में बुर्किनी पहन सकती हैं। उस समय मेयर पियोल ने फ्रांस के रेडियो आरएमसी पर कहा था- हम सिर्फ इतना चाहते हैं कि महिलाएं और पुरुष अपनी मर्जी से कपड़े पहन सकें। 'बुर्किनी' मुस्लिम महिलाओं के लिए डिजाइन किया गया एक ऐसा स्विमसूट होता है जिसमें केवल चेहरे, हाथ और पैर दिखाई देते हैं बाकी हिस्सा ढका होता है।

बाइडेन-मोदी सरकार की दोस्ती से टेंशन में इमरान, कहा- अमेरिका चाहता है पाकिस्तान भारत को करे सलाम

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

पाकिस्तान की सत्ता से सत्ताबदर होने के बाद भी इमरान खान लगातार मीडिया की लाइमलाइट में बने हुए हैं। कभी सड़कों पर आंदोलन के जरिये तो कभी अपने बयाने के लिए। लेकिन इसके साथ ही इमरान कुर्सी पर रहे या हुकूमत से बाहर पीएम मोदी और भारत हालिया कुछ महीनों से उनका पसंदीदा टॉपिक बना हुआ है। कभी वो हिन्दुस्तान को खुद्दार मुल्क बताते हैं तो कभी पीएम मोदी की विदेश नीति के गुण गाते हैं। वहीं अमेरिका भी इमरान के निशाने पर लगातार रहता है। अब पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इमरान खान इन दिनों भारत और अमेरिका कि दोस्ती को लेकर परेशान हैं।

पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान भारत-अमेरिका के बीच बढ़ती दोस्ती से टेंशन में आ गए हैं। उन्होंने दावा किया कि बाइडेन प्रशासन एक मजबूत भारत चाहता है जो चीन का मुकाबला करे। इमरान ने कहा कि वाशिंगटन चाहता है कि इस्लामाबाद इजरायल को मान्यता दे, कश्मीर पर अपना दावा छोड़ दे और भारत के अधीन काम करे। पूर्व प्रधानमंत्री ने दावा किया कि अमेरिका अपने हितों को पूरा करने के लिए पाकिस्तान को एक टिशू पेपर के रूप में इस्तेमाल करना चाहता है। इसके साथ ही इमरान खान ने सत्तारूढ़ शरीफ सरकार को कथित तौर पर आर्थिक मदद के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के सामने झुकने के लिए फटकार लगाई।

इमरान खान ने कहा कि अमेरिका का एजेंडा ही यही है कि इजरायल को मान्यता दो। हिन्दुस्तान को लोकल थानेदार के रूप में स्वीकार करो। कश्मीर को भूल जाओ। इमरान ने कहा कि अमेरिका चाहता है कि हिन्दुस्तान तगड़ा हो ताकि वो चीन का सामना करे। तो हमें वो ताहते हैं कि जो हिन्दुस्तान चाहे उसे हम सैल्यूट करें। इमरान ने कहा कि जिस दिन आप इजरायल को मान्यता देंगे कश्मीर का हमारा दावा उसी दिन जीरो हो जाएगा।

अफगानिस्तान में ताकतवर भूकंप से हुई भारी तबाही, पाकिस्तान के 30 कबायली लोगों की मौत

मास्को(एजेंसी)।

इस्लामाबाद।अफगानिस्तान में आए शक्तिशाली भूकंप में पाकिस्तान के कम से कम 30 कबायली लोगों की भी मौत हुई है, जो 2014 में एक सैन्य अभियान के दौरान विस्थापित हुए थे और सीमा पार कर पड़ोसी मुल्क भाग गए थे। पाकिस्तानी मीडिया में बृहस्पतिवार को प्रकाशित खबर के मुताबिक, भूकंप में जान गंवाने पाकिस्तानी नागरिक उत्तरी वजीरिस्तान के मदाखेल कबीले से ताल्लुक रखते थे। गौरतलब है कि पूर्वी अफगानिस्तान के ग्रामीण पहाड़ी क्षेत्र में बुधवार को 6.1 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें एक हजार से अधिक लोग मारे गए थे, जबकि 1,500 से ज्यादा लोग जख्मी हुए थे। 'डॉन' अखबार की खबर के मुताबिक, पाकिस्तान के 30 कबायली लोगों के शवों को उनके मूल स्थान पर पहुंचाया जाएगा, जिसके लिए पाकिस्तानी अधिकारियों ने अलवर मंडी में पाक-अफगान सरहद को अस्थायी तौर पर खोल दिया है।

खबर में बताया गया है कि घायलों को ले जाने के लिए गुलाम खान सीमा पर भी व्यवस्था की गई है। मीरनशाह में मौजूद सैन्य सूत्रों के मुताबिक, घायलों को हवाई मार्ग से क्षेत्र में स्थापित किए जा रहे विशेष चिकित्सा शिविरों में पहुंचाया जाएगा। खबर में अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि शवों को लाने और घायलों की मदद करने के साथ ही भूकंप प्रभावित लोगों को राशन भी मुहैया कराया जा रहा है। खबर के अनुसार, भूकंप के कारण उत्तरी वजीरिस्तान के दताखेल में एक जांच चौकी भी ढह गई है, जिससे एक सैनिक की मौत हो गई और कम से कम दो अन्य जख्मी हो गए हैं।

वहीं, लक्की मरवत जिले के पेजू इलाके में एक घर की छत गिरने से एक स्थानीय फुटबॉल खिलाड़ी की मौत हो गई है। खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत की सरकार के प्रवक्ता मोहम्मद अली सैफ के मुताबिक,घायलों के इलाज के लिए उत्तरी और दक्षिणी वजीरिस्तान के अस्पतालों में बिस्तर आरक्षित किए गए हैं। खबर में यह भी बताया गया है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की खास हिदायत के तहत अधिकारियों ने अफगानिस्तान में भूकंप पीड़ितों के लिए राहत सामग्री भेजी है। रेडियो पाकिस्तान ने बताया कि आठ ट्रकों के जरिये टेंट, तिरपाल, कंबल और जरूरी दवाओं की एक खेप काबुल भेजी गई है। खबर में कहा गया है कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को हर संभव मदद मुहैया कराने का आश्वासन दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आरएसएस की तीन दिवसीय बैठक 7 जुलाई से राजस्थान में होगी

जयपुर/नयी दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत झुंझुनूं में सात से नौ जुलाई के बीच आयोजित हो रही तीन दिवसीय अखिल भारतीय स्तर की 'प्रांत प्रचारक बैठक' में शामिल होंगे। आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने जयपुर में बताया कि बैठक में संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले सहित सभी सहसरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल, डॉ. मनमोहन वैद्य, सी.आर. मुकुंद, अरुण कुमार व रामदत्त शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि बैठक संगठन संबंधित विषयों पर केंद्रित रहती है। उन्होंने बताया कि बैठक में संघ के प्रशिक्षण वर्ग- 'संघ शिक्षा वर्ग' के वृत्त एवं समीक्षा, आगामी वर्ष की कार्ययोजना, प्रवास योजनाओं आदि विषयों पर चर्चा होगी। साथ ही संघ के शताब्दी वर्ष कार्य विस्तार योजना पर भी विचार विमर्श होगा। आरएसएस के संगठन की दृष्टि से यह बैठक हर वर्ष आयोजित की जाती है जिसमें पदाधिकारी विभिन्न गतिविधियों, वर्तमान विषयों का जायजा लेते हैं और वर्ष में आगे की योजना तैयार करते हैं। वर्ष 2025 में आरएसएस की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होंगे। सूत्रों के अनुसार ऐसे में संघ देशभर में संगठन का विस्तार करना चाहता है। समझा जाता है कि बैठक में इसके बारे में भी चर्चा होगी।

गेहूं का निर्यात अब तक लगभग 30 लाख टन, सरकार अन्य देशों के अनुरोध पर कर रही विचार

नयी दिल्ली। भारत ने चालू वित्त वर्ष में अब तक लगभग 30 लाख टन गेहूं का निर्यात किया है। साथ ही अनाज की आपूर्ति के लिए कुछ देशों के अनुरोध पर विचार किया जा रहा है। सरकार ने बुधवार को यह जानकारी दी। आटा (आटा) निर्यात पर प्रतिबंध लगाने की योजना के बारे में, खाद्य सचिव सुधांशु पांडे ने कहा कि सरकार स्थिति पर नजर रख रही है और उचित समय पर कदम उठाएगी। सरकार ने गेहूं की घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने और मूल्य वृद्धि को रोकने के लिए इसके निर्यात पर रोक लगा दी थी जो 13 मई से प्रभावी हुआ था। हालांकि, सरकार ने कहा था कि वह अलग अलग मामलों के आधार पर अन्य देशों को गेहूं निर्यात की अनुमति देने के बारे में सोचेगी। खाद्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव पार्थ एस दास ने संवाददाताओं से कहा, ''कई देशों से अनुरोध आए हैं, उन पर विचार किया जा रहा है।'' दास ने हालांकि उन देशों के नामों का खुलासा नहीं किया जिन्होंने भारतीय गेहूं के लिए अनुरोध किया है। अधिकारी ने कहा कि कुछ देशों के लिए कुछ मात्रा को मंजूरी दी गई है। उदाहरण के लिए, 1.5 लाख टन गेहूं बांग्लादेश को निर्यात किया गया है। उन्होंने कहा कि देश ने चालू वित्तवर्ष में 14 जून तक कुल 29.70 लाख टन गेहूं का निर्यात किया है। इसी अवधि में गेहूं के आटे (आटा) का निर्यात 2.59 लाख टन था। एक देश, एक राशन कार्ड (ओएनओआरसी) योजना के तहत राशन कार्ड 'पोर्टेबिलिटी' के संदर्भ में, सचिव ने कहा कि इसे अब पूरे भारत में लागू कर दिया गया है, इस योजना को लागू करने वाला असम अंतिम राज्य है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकारों और अन्य केंद्रीय मंत्रालयों को सही नीतियां और कार्यक्रम तैयार करने के लिए 'ओएनओआरसी' के आंकड़ों का उपयोग करने के लिए कहा गया है। आंकड़ों का उपयोग आयुष्मान भारत, पीएम-किसान, ई-श्रम जैसी अन्य योजनाओं में किया जा सकता है।

आप सांसद संजय सिंह ने अग्निपथ योजना का विरोध करते हुए प्रधानमंत्री को पत्र लिखा

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर अग्निपथ सेना भर्ती योजना को ''तत्काल'' वापस लेने का आग्रह किया। सिंह ने दावा किया कि यदि इस योजना को लागू किया गया तो देश को एक ''भयानक स्थिति'' से गुजरना होगा। सिंह ने योजना की कई खामियां गिनाते हुए पत्र में कहा कि इसके क्रियान्वयन से सेना का मूलभूत ढांचा और उसकी क्षमता ''बर्बाद'' हो जाएगी क्योंकि योजना के तहत सैनिकों की भर्ती के बाद उन्हें महज छह महीने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। सांसद ने कहा कि योजना के तहत भर्ती किये जाने वालों को अल्पकालिक अवधि के लिए सेना में लिया जाएगा और बाद में उन्हें पेंशन भी नहीं मिलेगी तथा सेना में चार वर्ष के बाद निकलने वाले युवा नौकरी नहीं मिलने से निराश होंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे युवा राष्ट्रविरोधी और आपराधिक तत्व बन कर देश और समाज के विरुद्ध काम कर सकते हैं।

कर्नाटक में 3.4 तीव्रता का भूकंप, कोई हताहत नहीं

बेंगलुरु। कर्नाटक के हासन जिले और आसपास के क्षेत्रों में बृहस्पतिवार तड़के भूकंप आया, जिसकी रिक्टर पैमाने पर तीव्रता 3.4 मापी गई है। आपदा प्रबंधन विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि कोडागू जिले में सोमवरपेट के निकट कई गांवों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिसके बाद लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। कर्नाटक राज्य आपदा प्राधिकरण आयुक्त मनोज राजन के अनुसार भूकंप का केंद्र हासन जिले के होलेनरसीपुरा तालुक में नागरनहल्ली ग्राम पंचायत के अंतर्गत मलूगनहल्ली गांव था। उन्होंने कहा कि भूकंप के झटके 40-50 किलोमीटर के दायरे तक महसूस किये गए। अधिकारी ने कहा, ''इस प्रकार के भूकंप से स्थानीय लोगों को कोई नुकसान नहीं होता, हालांकि मामूली झटके आ सकते हैं। चूंकि भूकंप का केंद्र भूकंपीय क्षेत्र- II में पड़ता है, इसलिये ऐसे क्षेत्रों में भूकंप आने और नुकसान होने की आशंका कम होती है।

मानसून मेहरबान, मुंबई में भारी बारिश की चेतावनी, बिहार, झारखंड, ओडिशा में आईएमडी का अलर्ट

नई दिल्ली। भीषण गर्मी से जूझ रहे देश में मानसून ने दस्तक से लोगों ने राहत महसूस की है। अब यह उत्तर भारत की ओर आगे बढ़ रहा है हालांकि, दक्षिण के राज्यों में अब भी भारी बारिश जारी है। कर्नाटक, केरल, गोवा आदि में मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक भारी बारिश की संभावना जताई है। इसके अलावा, बिहार-झारखंड के लिए भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक बिहार पिछले कुछ दिनों से बारिश और आंधी-तूफान से प्रभावित रहा है। मौसम विभाग ने कहा है कि मुंबई अगले कुछ दिनों तक बारिश होती रहेगी। मौसम विभाग ने रायगढ़ और पुणे सहित महाराष्ट्र के पांच जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने गुरुवार को अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना जताई है। आईएमडी ने दो दिनों के लिए मुंबई के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है। यहां भी भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने ट्वीट करके आगामी दिनों के मौसम की जानकारी दी है। मौसम विभाग के मुताबिक कोंकण, गोवा, तटीय कर्नाटक और केरल व माहे में अगले पांच दिनों तक भारी बारिश होगी। मध्य महाराष्ट्र में 24 से 26 जून, आंतरिक कर्नाटक में 24 से 25 जून, गुजरात में 25 और 26 जून को बारिश होगी। उधर, बंगाल की खाड़ी से पूर्वोत्तर और उससे सटे पूर्वी भारत तक दक्षिण, दक्षिण-पश्चिमी हवाओं के प्रभाव की वजह से 25 और 26 जून को बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। इसके अलावा 23 और 24 तारीख को विदर्भ में बारिश होगी। बिहार-झारखंड के लिए आया ये अलर्ट उत्तर भारत के राज्यों में भी मानसून धीरे-धीरे दस्तक दे रहा है। प्री मानसून की वजह से कई राज्यों में बारिश का सिलसिला पिछले कुछ दिनों से लगातार जारी भी है। मौसम विभाग ने बताया है कि 23 से 26 जून के दौरान बिहार में, 24 और 25 जून को झारखंड में और 22 से 26 जून के दौरान ओडिशा और छत्तीसगढ़ में बारिश होने की संभावना है। बिहार की बात करें तो मौसम विभाग के अनुसार, राजधानी पटना, भागलपुर, औरंगाबाद, मोतिहारी समेत ज्यादातर जगह पर आने वाले दिनों में झमाझम बारिश की संभावना है।

सिद्धू मूसेवाला का एक और गाना 24 को होगा रिलीज

चंडीगढ़। सिद्धू मूसेवाला बेशक इस दुनिया को अलविदा कह गए, लेकिन उनके गाने आज भी लोगों के दिलों की धड़कन तेज करते हैं। ऐसा ही मूसेवाला का एक और गाना रिलीज होने जा रहा है, जो कि मूसेवाला ने एस.वाई.एल. पर लिखा था। यह गाना 24 जून को मूसेवाला टीम द्वारा शाम 6 बजे रिलीज किया जाएगा, जिसे लेकर उनके फैन्स व चाहने वालों में काफी क्रेज देखा जा रहा है। इस गाने में सिद्धू मूसेवाला ने कई अहम मुद्दों को उठाया है। गाने में क्या क्या खास विशेषताएं हैं, यह इसके रिलीज के बाद ही पता चलेगा। गौरतलब है ?कि इससे पहले सिद्धू का एक और गाना काफी फेमस हुआ था, जिसके रिलीज होने के कुछ ही हफ्तों बाद सिद्धू मूसेवाला की हत्या कर दी गई थी। वह गाना था, 'ओह चौबर दे चेहरे उते नूर दसदां नी, एहदा उठेगा जवानी विच जनाजा मिड़िये'...यह गीत सिद्धू मूसेवाला ने वाजिर रैपर के साथ मिलकर 15 मई को रिलीज किया था। शायद उन्हें पता नहीं था कि यह उनकी जिंदगी का आखिरी गीत है और इसी गीत के बोल सच होने वाले हैं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्रियों ने रक्षा उद्योग क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर किया विचार मंथन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत दौरे पर आए उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष रिचर्ड मार्लेस ने अपनी व्यापक वार्ता में आपसी विश्वास, समझ और साझा हितों के आधार पर भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को लागू करने का भी संकल्प व्यक्त किया। भारत और ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्रियों ने रणनीतिक चुनौतियों और क्षेत्रीय सुरक्षा स्थितियों की व्यापक समीक्षा की और एक स्वतंत्र, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत के अपने साझा उद्देश्य पर जोर दिया। संसदीय चुनावों में पूर्ववर्ती स्कॉट मॉरिसन के रूढ़िवादी गठबंधन को हराकर पिछले महीने प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की मध्य-वाम लेबर पार्टी के सत्ता में आने के बाद यह ऑस्ट्रेलिया से भारत की पहली उच्च स्तरीय यात्रा है।

सिंह ने ट्वीट किया, ऑस्ट्रेलिया भारत का घनिष्ठ और विश्वसनीय भागीदार है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। हमारी घनिष्ठ साझेदारी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता का एक महत्वपूर्ण कारक है।

उन्होंने बातचीत को %शानदार% करार दिया। मीडिया के लिये जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों ने रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में औद्योगिक सहयोग की संभावनाएं तलाशने के अलावा सामरिक चुनौतियों और क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। इसमें कहा गया कि दोनों मंत्रियों ने वर्तमान रक्षा सहयोग गतिविधियों की समीक्षा की, जो कोविड-19 महामारी की चुनौतियों के बावजूद बढ़ती रही है। यूक्रेन पर रूसी हमले से मची भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बीच मार्लेस भारत के चार दिवसीय दौरे पर हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के उपप्रधानमंत्री भी हैं।

माना जा रहा है कि दोनों नेताओं की बातचीत में यूक्रेन संकट पर भी चर्चा हुई। संयुक्त बयान में कहा गया कि दोनों मंत्रियों ने ऐतिहासिक जनरल रावत युवा अधिकारी आदान-प्रदान कार्यक्रम 2022 के उत्तरार्ध में प्रारंभ करने की योजना का स्वागत किया। इस कार्यक्रम की घोषणा 21 मार्च 2022 को दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच डिजिटल शिखर बैठक के दौरान की गई थी। जनरल विपिन रावत भारत के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष थे जिनकी पिछले साल दिसंबर में एक हेलीकॉप्टर हादसे में मौत हो गई थी। बयान में कहा गया, मंत्रियों ने रणनीतिक चुनौतियों तथा क्षेत्रीय सुरक्षा की स्थिति की समीक्षा की और स्वतंत्र, मुक्त, समावेशी और समृद्ध तथा नियम आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझा उद्देश्यों को दोहराया।

इसमें कहा गया कि दोनों मंत्रियों ने अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के 'भारत-प्रशांत प्रयास' अभ्यास में भारत की भागीदारी को लेकर आशा जताई। बयान के मुताबिक, रक्षा मंत्रियों ने भारत-ऑस्ट्रेलिया विस्तृत रणनीतिक साझेदारी के रक्षा तथा सुरक्षा स्तंभों की समीक्षा की। इसमें कहा गया कि सिंह और मार्लेस ने पारस्परिक विश्वास और समझदारी, समान हितों तथा साझा मूल्यों, लोकतंत्र तथा कानून के शासन पर आधारित विस्तृत रणनीतिक साझेदारी को क्रियान्वित करने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। बयान में कहा गया, दोनों मंत्रियों ने रक्षा अभ्यासों तथा दोनों देशों के बीच आदान-प्रदान की विविधता का स्वागत किया और भारत-ऑस्ट्रेलिया पारस्परिक लॉजिस्टिक सहायता व्यवस्था के माध्यम से संचालन सहयोग प्रारंभ करने पर बातचीत की। बीते कुछ वर्षों में भारत व ऑस्ट्रेलिया के संबंधों में और घनिष्ठता आई है।

ऑस्ट्रेलिया भारत का एक प्रमुख भागीदार है और दोनों पक्षों के बीच रणनीतिक सहयोग द्विपक्षीय रूप से और साथ ही 'क्वाड' गठबंधन के ढांचे के तहत बढ़ रहा है। बयान में कहा गया, दोनों मंत्रियों ने रक्षा अनुसंधान तथा सामग्री सहयोग पर भारत-ऑस्ट्रेलिया संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस समूह की बैठक ऑस्ट्रेलिया में इस वर्ष के अंत में होगी।

संयुक्त कार्य समूह रक्षा उद्योगों के बीच संबंधों को बढ़ाने की महत्वपूर्ण व्यवस्था है। इसमें कहा गया, दोनों मंत्रियों ने आपूर्ति श्रृंखला का लचीलापन बढ़ाने तथा अपने रक्षा बलों को क्षमता प्रदान करने के लिए भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच औद्योगिक सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। इसमें कहा गया, दोनों पक्षों ने भारत तथा ऑस्ट्रेलिया के रक्षा औद्योगिक आधारों के बीच अवसरों को बढ़ाने के उपायों पर सहमति व्यक्त की।

योगी आदित्यनाथ ने छात्रों से कहा, संयमित दिनचर्या सफलता की कुंजी है

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को यूपी बोर्ड की 10वीं कक्षा की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10 मेधावी छात्रों से बातचीत की और भविष्य में आगे बढ़ने के लिए उन्हें संयमित दिनचर्या अपनाने का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की दसवीं कक्षा की परीक्षा में लखनऊ जिले की मेरिट सूची में शामिल शीर्ष 10 बच्चों, उनके अभिभावकों और उनके स्कूल के प्रधानाचार्यों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने छात्र-छात्राओं से कहा कि संयमित दिनचर्या से वह परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर सकते हैं। समय सारिणी बनाकर दिनचर्या का पालन करें। इससे न केवल पाठ्यक्रम समय से पूरा होगा, बल्कि स्वास्थ्य भी बेहतर होगा। आदित्यनाथ ने मेधावी बच्चों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात से जुड़ने की सलाह भी दी और कहा कि इससे उन्हें बहुत सी नई चीजें जानने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम देश में हो रहे किसी नवीन अभिकल्प, अभिनव प्रयास, नए बदलाव आदि के बारे में जानकारी से परिपूर्ण होता है। इसे हर बच्चे, अभिभावक को जरूर सुनना चाहिए। मुख्यमंत्री ने बच्चों और अभिभावकों से प्रधानमंत्री की पुस्तक एक्जाम वॉरियर और बोर्ड परीक्षार्थियों के लिए खास कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने बच्चों की पढ़ाई के तौर-तरीकों की जानकारी लेते हुए सभी को अपने पास एक छोटी डायरी रखने का सुझाव दिया और कहा कि इस डायरी में उन्हें नयी और जरूरी बातों को नोट करना चाहिए।

13 राज्य और 12 करोड़ आबादी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाने से बीजेपी को फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भाजपा ने झारखंड की पूर्व राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति का उम्मीदवार बनाकर देश के दस प्रतिशत जनजातीय समुदाय के बीच सशक्त संदेश दिया है। हाशिये पर रहे इस बड़े जनसमुदाय के बीच द्रौपदी मुर्मू की उम्मीदवारी से उम्मीदें बंधी हैं। पहली बार आदिवासी राष्ट्रपति बनने पर पेसा (पंचायत एक्सटेंशन टू शिड्यूल्ड एरिया एक्ट 1996) कानून के सशक्त बनने, जनगणना प्रपत्र में सरना धर्मकोड, पांचवीं और छठीं अनुसूची के राज्यों के साथ केंद्र सरकार का समन्वय प्रभावशाली बन सकेगा। 2011 की जनगणना के अनुसार देश में तकरीबन 12 करोड़ जनजातीय लोग हैं। पांचवीं और छठीं अनुसूची के राज्यों में इनकी सशक्त मौजूदगी है। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो द्रौपदी मुर्मू की उम्मीदवारी से भाजपा को पांचवीं और छठीं अनुसूची के राज्यों में जनजातीय वोट में सेंध लगाने में कामयाबी मिलेगी। छठीं अनुसूची के राज्यों असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिज़ोरम में जनजातीय समाज के लोग काफी संख्या में हैं। असम में 12 प्रतिशत, त्रिपुरा में 31 फीसदी, मेघालय में 86 फीसदी और मिजोरम में 95 प्रतिशत से अधिक इस समुदाय के लोग हैं। वहीं पांचवी अनुसूची के राज्यों में झारखंड में करीब 27 प्रतिशत आदिवासी हैं। छत्तीसगढ़ में 30, मध्यप्रदेश में 21, ओड़िशा में 22.85, राजस्थान में 13.48, गुजरात में 8, पश्चिम बंगाल के 5.8, राजस्थान में 13.48, हिमाचल प्रदेश में 5.7 प्रतिशत आबादी है। भाजपा की नजर ओड़िशा, राजस्थान, झारखंड, छत्तीसगढ़ पर है। भाजपा को देश में पांचवीं और छठीं अनुसूची के राज्यों में क्षेत्रीय दल चुनौती दे रहे हैं। आंध्रप्रदेश में वाईएसआरसीडी, झारखंड में झामुमो, ओड़िशा में बीजू जनता दल, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को फतह करने के लिये भाजपा आदिवासी समाज को जोड़ने की कवायद में है। जल, जंगल, ज़मीन पर जनजातियों का अधिकार सुनिश्चित करने के लिये पेसा कानून लागू किया गया है, लेकिन इससे आदिवासियों को विशेष लाभ नहीं हुआ रांची विश्वविद्यालय के पूर्व डीन सामाजिक विज्ञान संकाय सह मानवशास्त्री डॉ. करमा उरांव के अनुसार द्रौपदी मुर्मू निष्पक्ष निर्णय लेती हैं। इसकी मिसाल रघुवर की पिछली सरकार में सीएनटी-एसपीटी एक्ट में संशोधन के प्रस्ताव को लौटाकर कर पेश कर चुकी हैं। उनके राष्ट्रपति बनने से पेसा कानून प्रभावी होगा। सरना धर्मकोड को लेकर भी पहल की उम्मीद बंधी है।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर प्रधानमंत्री मोदी ने दी श्रद्धांजलि, कहा- हर भारतीय उनका ऋणी है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर बृहस्पतिवार को उन्हें श्रद्धांजलि दी। मोदी ने कहा कि देश की एकता को और अधिक मजबूत करने की दिशा में श्यामा प्रसाद मुखर्जी के ''अद्वितीय प्रयासों'' के लिए प्रत्येक भारतीय उनका ऋणी है। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, ''डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी पुण्यतिथि पर याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करताहूं। भारत की एकता को और अधिक मजबूत करने तथा आगे बढ़ाने की दिशा में उनके अद्वितीय प्रयासों के लिए प्रत्येक भारतीय उनका ऋणी है। उन्होंने भारत की प्रगति के लिए कड़ी मेहनत की और एक मजबूत तथा समृद्ध राष्ट्र का सपना देखा। हम उनके सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

श्यामा प्रसाद मुखर्जी जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य दर्जा देने वाले, संविधान के अनुच्छेद 370 के कट्टर आलोचक थे। आवश्यक परमिट के बिना जम्मू-कश्मीर में प्रवेश करने के लिए गिरफ्तार किए जाने के बाद 1953 में कश्मीर में नजरबंदी के दौरान मुखर्जी की मृत्यु हो गई थी। वह कश्मीर में प्रवेश करने के लिए परमिट की जरुरत का भी विरोध करते थे। गौरतलब है कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार ने पांच अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त कर जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त कर दिया था और तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया था।

असम में बचाव एवं पुनर्वास अभियानों में सहयोग करें कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता : राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने असम में बाढ़ से हुए नुकसान पर दुख जताकर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे बचाव एवं पुनर्वास अभियानों में सहयोग करें। उन्होंने ट्वीट किया, 'अप्रत्याशित बाढ़ का सामना कर रहे असम भाइयों और बहनों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं। पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करता हूं।' राहुल गांधी ने कहा, मैं कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं से आग्रह करता हूं वे बचाव एवं पुनर्वास अभियानों में सहयोग जारी रखें।' असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। अधिकारियों ने बताया था कि बाढ़ से राज्य में 12 और लोगों की मौत हो गई है जबकि 32 जिलों में 55 लाख लोग इससे प्रभावित हुए हैं।

जम्मू कश्मीर विधानसभा दूसरी बार नहीं बन पाएगी राष्ट्रपति चुनाव का हिस्सा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत में 18 जुलाई को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने जा रहे हैं औरइतिहास में यह दूसरा मौका होगा जब केंद्रशासित प्रदेश जम्मू कश्मीर की विधानसभा शीर्ष संवैधानिक पद के चुनाव का हिस्सा नहीं होगी। राज्यों की विधानसभाओं के भंग होने के कारण उनके राष्ट्रपति चुनाव का हिस्सा नहीं होने के कई उदाहरण हैं। पहली बार ऐसा उदाहरण 1974 में सामने आया जब गुजरात विधानसभा राष्ट्रपति चुनाव का हिस्स नहीं बन सकी। उसके बाद असम, नगालैंड और जम्मू कश्मीर की विधानसभाएं भी भंग होने के कारण विभिन्न चुनावों में भाग नहीं ले सकीं।

इस बार जम्मू कश्मीर विधानसभा राष्ट्रपति चुनाव का हिस्सा नहीं बन सकेगी। 2019 में तत्कालीन राज्य को विभाजित कर दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू कश्मीर और लद्दाख की स्थापना की गई थी एवं जम्मू कश्मीर में विधानसभा का अभी गठन नहीं हुआ है। जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम में केंद्रशासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के लिए विधानसभा का प्रावधान है, लेकिन विभिन्न वजहों से अभी तक चुनाव नहीं हो पाया है। गुजरात 1974 में नवनिर्माण आंदोलन के केंद्र में था जिसके कारण चिमनभाई पटेल नीत राज्य सरकार को भंग कर दिया गया था। राष्ट्रपति चुनाव स्थगित करने की मांगों की पृष्ठभूमि के बीच उच्चतम न्यायालय से राय देने को कहा गया था ताकि किसी भी विवाद को खत्म किया जा सके।

उच्चतम अदालत ने कहा था कि राष्ट्रपति चुनाव इस तरह से पूरा कर किया जाना चाहिए जिससे नवनिर्वाचित राष्ट्रपति निवर्तमान राष्ट्रपति के कार्यकाल की समाप्ति पर कार्यभार संभाल सकें और इस प्रकार चुनाव आयोजित किए जाने चाहिए, भले ही गुजरात विधानसभा गठित नहीं है। वर्ष 1992 के राष्ट्रपति चुनाव में जम्मू कश्मीर और नगालैंड की विधानसभाएं भंग होने के कारण राष्ट्रपति चुनाव का हिस्सा नहीं बन सकी थीं। उस चुनाव में शंकर दयाल शर्मा राष्ट्रपति निर्वाचित हुए थे। उस चुनाव में जम्मू कश्मीर का प्रतिनिधित्व नहीं हो पाया था क्योंकि वहां आतंकवाद के कारण 1991 के लोकसभा चुनाव भी नहीं हो पाए थे।

दुनिया के सात सबसे अमीर राष्ट्र लगातार तोड़ रहे हैं जलवायु, वित्त के किए वादे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विश्व में गहराते जलवायु संकट को लेकर दुनिया के सात सबसे अमीर देशों के नेता इस सप्ताह के अंत में जर्मनी में एकत्र होंगे, मानवीय संगठन केयर की एक रिपोर्ट में गुरुवार को कहा गया कि अमीर देशों द्वारा रिपोर्ट किए गए अधिकांश सार्वजनिक जलवायु वित्त सीधे विकास सहायता बजट से लिए गए हैं, नया पैसा उपलब्ध कराने के लिए लंबे समय से प्रतिबद्धताओं के बावजूद। साल 2009 में सीओपी15 में, जी7 और अन्य समृद्ध देशों ने अपने जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और शमन प्रयासों के साथ वैश्विक दक्षिण का समर्थन करने के लिए 2020 तक 100 अरब डॉलर प्रतिवर्ष के मूल्य पर 'बढ़ा हुआ, नया और अतिरिक्त वित्त' प्रदान करने का वादा किया। इन समृद्ध देशों द्वारा प्रदान किए गए सार्वजनिक जलवायु वित्त की रिपोर्ट की गई राशि 2011-18 के दौरान 220 अरब डॉलर है। इसमें से केवल 99 बिलियन डॉलर को विकास के समर्थन के लिए कमजोर माना जा सकता है।

अतिरिक्तता की एक मजबूत परिभाषा का उपयोग करते हुए केयर गणना करता है कि यह आंकड़ा केवल 14 अरब डॉलर में खतरनाक रूप से कम है। इसके अलावा, जबकि ऐसा प्रतीत होता है कि समय के साथ जलवायु वित्त में वृद्धि हुई है। नए और अतिरिक्त के रूप में देखा जाने वाला अनुपात वास्तव में आठ वर्षों में कम हो गया है। केयर का विश्लेषण संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (यूएनएफसीसीसी) को रिपोर्ट किए गए डेटा का उपयोग यह आकलन करने के लिए करता है कि क्या यह रिपोर्ट किया गया जलवायु वित्त वास्तव में 'नया और अतिरिक्त' है, जैसा कि यूएनएफसीसीसी के 23 एनेक्स-2 पार्टियों द्वारा 2009 में वादा किया गया था।चूंकि 'नई और अतिरिक्त' की कोई औपचारिक परिभाषा नहीं है, इसलिए विश्लेषण दो परिभाषाओं का उपयोग करता है।

एक- मजबूत अतिरिक्तताः जलवायु वित्त की राशि जो अमीर देशों द्वारा आधिकारिक विकास सहायता (ओडीए) के रूप में अपनी सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) का 0.7 प्रतिशत प्रदान करने के लिए लंबे समय से चली आ रही अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता के शीर्ष पर प्रदान की गई है। दूसरा- कमजोर अतिरिक्तता : एक समृद्ध देश द्वारा प्रदान की गई जलवायु वित्त की राशि, विकास वित्त के स्तर के शीर्ष पर उन्होंने 2009 में योगदान दिया, सीओपी 15 जलवायु वित्त प्रतिबद्धता का वर्ष। रिपोर्ट में पाया गया है कि जी7 और अन्य समृद्ध देशों ने अपने जलवायु वित्त की अधिक रिपोर्ट करने के लिए 'नई और अतिरिक्त' की खोखली परिभाषाओं का उपयोग किया है। कुल 220 अरब डॉलर के जलवायु वित्त पोषण में से, जी7 सदस्य सामूहिक रूप से इस आंकड़े का 85 प्रतिशत हिस्सा हैं। फिर भी, इतनी बड़ी मात्रा में वित्त की रिपोर्ट करने के बावजूद, जी7 देशों द्वारा रिपोर्ट किए गए जलवायु वित्त का केवल 0.1 प्रतिशत 'दृढ़ता से अतिरिक्त' पाया गया। इसलिए जी7 देश

अपने मौजूदा विकास सहायता दायित्वों के शीर्ष पर जलवायु वित्त प्रदान करने में विफल रहे हैं और बड़े पैमाने पर अपने जीएनआई का 0.7 प्रतिशत ओडीए के रूप में प्रदान करने में विफल रहे हैं - अमीर देशों द्वारा की गई एक लंबे समय से चली आ रही प्रतिज्ञा, जिसका अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बार-बार समर्थन किया गया है।

इस अति-रिपोर्टिंग का अर्थ है कि जी7 ने स्वास्थ्य, शिक्षा, लैंगिक समानता और गरीबी उन्मूलन के लिए लक्षित धन को जलवायु वित्त में भारी रूप से बदल दिया है। जॉन नोर्डबो, रिपोर्ट लेखक और केयर इंटरनेशनल में वरिष्ठ सलाहकार (जलवायु) ने कहाः 'यह देखना काफी चौंकाने वाला है कि दुनिया के अग्रणी राष्ट्र गरीब देशों में जलवायु और विकास का समर्थन करने के लिए अपनी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं की परवाह नहीं करते हैं।' उन्होंने कहा, वैश्विक शासन की रीढ़ होने के बजाय ये देश वास्तव में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को कमजोर करते हैं और बाकी दुनिया में अविश्वास पैदा करते हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भाजपा ने दक्षिण जोन की 35 सीटों पर प्रभारियों के नाम का ऐलान किया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात भाजपा राज्य विधानसभा की 182 सीटों पर जीत के लक्ष्य के साथ पूरी तरह से सक्रिय हो गई है । गत शुक्रवार को भाजपा ने उत्तर जोन की 59 सीटों के लिए प्रभारियों के नामों की घोषणा की थी। अब गुजरात भाजपा ने दक्षिण जोन की 35 सीटों के लिए प्रभारियों के नाम की घोषणा कर दी है। दक्षिण गुजरात की इन 35 सीटों में नर्मदा जिले की नांदोद (सुरक्षित) और डेडियापाडा (सुरक्षित), भरूच जिले की जंबुसर, वागरा, झगडिया (सुरक्षित), अंकलेश्वर, सूरत जिले की ओलपाड, मांगरोल (सुरक्षित), मांडवी (सुरक्षित), सूरत जिले की कामरेज, चौर्यासी, महुवा (सुरक्षित) और बारडोली, सूरत शहर की पूर्व व उत्तर के अलावा वराछा रोड, कारंज, लिंबायत, उधना, मजूरा, कतारगाम तथा सूरत पश्चिम की सीट शामिल है। वहीं तापी जिले की व्यारा (सुरक्षित) और निझर (सुरक्षित), डांग जिले की (सुरक्षित), नवसारी की जलालपोर, नवसारी, गणदेवी (सुरक्षित), वांसदा (सुरक्षित), वलसाड जिले की धरमपुर (सुरक्षित), वलसाड, पारडी, कपराडा (सुरक्षित) और उमरगाम विधानसभा सीट शामिल हैं।

चार साल में राजूला नगर पालिका के 6वें प्रमुख ने भी दिया इस्तीफा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अमरेली,लगातार विवादों में रहनेवाली अमरेली जिले की राजूला नगर पालिका के 6वें प्रमुख ने भी अपने पद इस्तीफा दे दिया है। चार साल में ऐसा छठवीं दफा हुआ है जब नगर पालिका के प्रमुख ने इस्तीफा दिया है। राजूला नगर पालिका के प्रमुख छत्रजीत धाखडा ने अपना इस्तीफा जिला कलेक्टर को भेज दिया है। वर्ष 2018 में अमरेली जिले की राजूला नगर पालिका में कांग्रेस की शानदार जीत हुई थी। 2018 के चुनाव में कांग्रेस ने 27 सीटों पर जीत हासिल की थी, जबकि भाजपा के खाते में केवल एक सीट आई थी। चार से राजूला नगर पालिका में कांग्रेस सत्ता में लेकिन इन चार सालों के दौरान अब तक छह प्रमुख अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं। 7 महीने पहले यानी नवंबर 2021 को राजूनगर पालिका के पांचवें प्रमुख घनश्याम लाखणोत्रा ने इस्तीफा दिया था। उससे पहले मीना प्रवीणभाई वाघेला, बाघु बालाभाई वाणिया, मीना प्रवीणभाई वाघेला, कांता किशोर भाई धाखड़ा, भरत सावलिया (कार्यकारी प्रमुख) और घनश्याम लाखणोत्रा के बाद अब बतौर छठवें प्रमुख छत्रजीत धाखडा ने प्रमुख पद से इस्तीफा दे दिया है। छत्रजीत धाखडा को गत दिसंबर महीने में राजूला प्रांत अधिकारी की अध्यक्षता में राजूला नगर पालिका के निर्वाचित सदस्यों ने प्रमुख पद के लिए चुना था। उस वक्त छत्रजीत धाखड़ा को 15 और कांग्रेस के दूसरे उम्मीदवार रजनी जालंधरा को 12 वोट मिले थे।

गौवंश का मांस बेच रहे 6 कसाइयों का पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भरूच,भरूच एलसीबी ने शहर के भठियारवाड के कसाईवाडा में रेड कर 6 कसाइयों को गिरफ्तार किया है। पकड़े कसाई गौवंश का कत्ल कर उसका मांस बेचते थे। सभी आरोपियों के खिलाफ पशु संरक्षण सुधार अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर पुलिस ने आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक भरूच एलसीबी को सूचना मिली थी कि भरूच शहर के भठियारवाड स्थित कसाईवाडा में कई कसाई गौवंश की हत्या कर उसका मांस बेचते हैं। सूचना के आधार पर एलसीबी ने कसाईवाडा में छापा मारा। पुलिस के छापे से कसाइयों में भगदड़ मच गई। हांलाकि पुलिस ने 6 कसाइयों को दबोच लिया। पुलिस ने भठियारवाड में रहनेवाले कसाई सादिक कुरैशी को 40 किलो, उवेश उस्मान कुरैशी को 90 किलो, अनवर हुसैन इब्राहिम कुरैशी को 10 किलो, इमरान नाजिम कुरैशी को 90, अल्लारखा नूरमहमद कुरैशी को 80, मुर्तुज कुरैशी समेत 6 लोगों को 560 समेत 860 किलो गौवंश मांस के गिरफ्तार कर लिया। बरामद किए गए मांस के सैंपल को जांच के लिए एफएसएल के लिए भेज दिया है।

भरूच की बी डिवीजन पुलिस ने सभी 6 कसाइयों के खिलाफ पशु संरक्षण सुधार अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की है।

महाराष्ट्र शिवसेना का 6 और बागी विधायक सूरत से गुवाहाटी, असम भेजे

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

महाराष्ट्र की सियासत में भूचाल आ गया है. पिछले तीन दिनों से सियासी ड्रामा जस का तस बना हुआ है. मंगलवार रात को सूरत से 40 से ज्यादा विधायकों को गुवाहाटी भेजा गया. फिर बुधवार को चार और विधायक सूरत से महाराष्ट्र से असम आए, फिर गुरुवार को लगातार तीसरे दिन 3 और विधायक सूरत पहुंचे। उन्हें सूरत एयरपोर्ट से विशेष विमान से गुवाहाटी, असम भेजा गया। दोपहर में 3 और विधायकों को भी गुवाहाटी भेजा गया। इस तरह गुरुवार को कुल 6 विधायक भेजे गए। इन 6 विधायकों को एयरलिफ्ट किया

गया।महाराष्ट्र शिवसेना के मंगेश कुंडलकर, सदा सर्वनार और संजय राठौर आज सूरत पहुंचे। डुमास के ला मेरिडियन होटल में कुछ देर रुकने के बाद विधायकों को सूरत हवाईअड्डे पर ले जाया गया। वहां से सभी को विशेष विमान से गुवाहाटी, असम भेजा गया।दोपहर में दादा भूसे, रवींद्र फाटक और संजय राठौर को सूरत से विशेष विमान से गुवाहाटी भेजा गया। तीसरे दिन मंगलवार की तरह ड्रामा मंगलवार को शुरू हुआ सियासी ड्रामा आज तीसरे दिन भी वैसा ही रहा. एक के बाद एक शिवसेना विधायक उद्धव ठाकरे का हाथ छोड़कर एकनाथ शिंदे से हाथ मिला रहे हैं. महाराष्ट्र से असम जा रहे विधायक सूरत से गुजर रहे हैं. मुंबई से सीधी उड़ान होने के बावजूद, महाराष्ट्र के विधायक सूरत हवाई अड्डे से गुवाहाटी जाने का विकल्प चुन रहे हैं। फिर आज लगातार तीसरे दिन 6 और विधायक सूरत से असम के लिए रवाना हुए। ऐसे में महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे सरकार और मुश्किल में है।

गुजरात में लगातार दूसरे दिन कोरोना के 400 से ज्यादा केस, एक्टिव केस 2000 के करीब

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात में लगातार दूसरे दिन गुरुवार को कोरोना के 416 नए मामले सामने आए हैं। इसी के साथ कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या 2000 के करीब पहुंच गई है। गुरुवार को 230 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। राहत की बात है आज भी राज्य में कोरोना से कोई मौत नहीं हुई। दूसरी राज्य में चल रहे टीकाकरण अभियान के तहत गुरुवार को कोरोना के 82229 डोज दिए गए। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना के सबसे अधिक अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 182 नए मामले सामने आए। वहीं सूरत कॉर्पोरेशन में 56, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 40, सूरत में 34, राजकोट कॉर्पोरेशन में 15, भावनगर कॉर्पोरेशन में 13, वलसाड में 12, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 11, गांधीनगर में 8, जामनगर कॉर्पोरेशन में 7, कच्छ में 7, भरूच में 5, मेहसाणा, नवसारी, वडोदरा में 3-3, अहमदाबाद, अमरेली, आणंद, भावनगर, मोरबी, पाटन में 2-2, बनासकांठा, देवभूमि द्वारका, महीसागर, राजकोट और सुरेन्द्रनगर में 1-1 समेत राज्यभर में कोरोना के 416 नए केस दर्ज हुए हैं। इस

दौरान अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 113 समेत राज्य में 230 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। राज्य में अब तक 1216036 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 10946 मरीजों की कोरोना से मौत हो चुकी है। दूसरी ओर राज्य में एक्टिव केसों की संख्या 1927 पर पहुंच गई है। जिसमें 1923 स्टेबल हैं और 4 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। वहीं गुरुवार को राज्य में 18 वर्ष से अधिक आयु के 1079 को पहला और 16719 लोगों को दूसरा डोज दिया गया। 15 से 17 वर्षीय 689 को पहला और 3988 को कोरोना का दूसरा टीका लगाया गया7 40031 नागरिकों को प्रीकॉशन डोज दिया गया। जबकि 12 से 14 वर्षीय 6775 किशोरों को पहली और 12948 को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई। राज्य में अब तक 11 करोड़ 11 लाख 03 हजार 686 कोविड के डोज दिए जा चुके हैं।